संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-108 ■ रायपुर, मंगलवार 15 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग

तिथि : चतुर्थी
नक्षत्र : स्वाति
प्रथम करण : विष्टि
द्वितीय करण : बावा
पक्ष : शुक्ल
वार: मंगलवार
योग : इंद्र
सूर्योदय : 06:06
सूर्यास्त : 18:19
चंद्रमा : तुला राशि में
राहुकाल : 15:15 - 16:47
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : भाद्रपद
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:48 - 12:37

प्लाईवुड गोदाम में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। नई दिल्ली के दल्लूपुरा इलाके में रविवार को एक प्लाईवुड गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। 3,000 वर्ग मीटर में बने इस विशाल गोदाम में भारी मात्रा में प्लाईवुड का स्टॉक रखा हुआ था, जिससे लपटें तेजी से फैलीं और देखते ही देखते पूरा गोदाम आग के गोले में तब्दील हो गया। आसमान में उठ रहे धुएं के गहरे गुबार को दूर-दूर से देखा जा सकता है, जिससे पूरे इलाके के निवासियों में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 25 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। और आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फायर विभाग के सीनियर ऑफिसर भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। सुरक्षा के लिहाज से दमकल विभाग और पुलिस की टीम ने गोदाम के आसपास बने घरों को एहतियातन खाली करवा लिया है।

गुरुग्राम में रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन पर जानलेवा हमला

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम से एक हैरान कर देने वाली घटना के बारे में जानकारी सामने आई है। यहां सेक्टर 58 में वायुसेना के एक रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन पर जानलेवा हमला किया गया है। जानकारी के अनुसार, रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन अमित गुप्ता कारगिल युद्ध के दौरान ऑपरेशन सफेद सागर का हिस्सा थे। वह गुरुग्राम में अपने परिवार के साथ डिनर पर गए थे। हालांकि, यहां कार पार्किंग करते समय हुए एक विवाद में उनपर बुरी तरह हमला किया गया। पार्किंग कर्मचारी ने रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन पर हमला बोला लोहे की रॉड से अटैक किया है। ये पूरी घटना 10 सितंबर को गुरुग्राम के सेक्टर 58 स्थित मैग्नम ग्लोबल पार्क स्थित गोंजो रेस्टोरेंट की है।

होटल और पान की दुकान में घुसी बस

रंगा रेड्डी: तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में एक भयानक सड़क हादसा हुआ है। यहां शमशाबाद में एक कंटेनर ट्रक बिजली के पोल से टकरा गया। इसके बाद एक दूसरी बस भी बिजली के पोल से टकरा गई। पोल को टक्कर मारते हुए बस ने मारुति अर्टिगा, मारुति ओमनी, मारुति स्विफ्ट और एक मोटरसाइकिल को टक्कर भी टक्कर मार दी। सभी गाड़ियों को टक्कर मारते हुए बस सड़क किनारे बने एक होटल और पान की दुकान में जा घुसी। वहीं टक्कर की वजह से होटल के अंदर चूल्हा जलने की वजह से आग लग गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर की संध्या हर घर में 'आशीर्वाद का दीया' जलाने मुख्यमंत्री ने किया आह्वान

सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का उत्सव बनाएं : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' से पूरे उत्साह और आत्मीयता के साथ जुड़ने की अपील की है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों के नाम जारी अपनी अपील में कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित किए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर के परिप्रेक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पूरे देश में 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सेवा छत्तीसगढ़ की संस्कृति और संस्कारों का अभिन्न हिस्सा है। प्रदेश का प्रत्येक नागरिक अपनी सहभागिता से इस अभियान को जनसेवा और जनभागीदारी का व्यापक उत्सव बनाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान सेवा के भाव को जन-जन तक पहुंचाने और समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को सहभागिता के साथ निभाने का अवसर है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे अपने गांव, शहर और आसपास स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता और जनसेवा से जुड़े कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को भी इस अभियान से जोड़ें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण और विकास की योजनाओं ने लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। पक्का आवास, स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क, बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हुआ है। विकास की प्रत्येक उपलब्धि के केंद्र में आम नागरिकों के पूरे होते सपने, उनका बढ़ता आत्मविश्वास और जीवन में आती खुशहाली है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर प्रदेशवासियों से एक विशेष और आत्मीय अपील भी की है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को संध्या 7 बजे प्रत्येक परिवार अपने घर में 'आशीर्वाद का दीया' अवश्य जलाए और अपने आसपास के लाभार्थी परिवारों को भी इस पहल से जोड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दीया प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन के लिए छत्तीसगढ़वासियों की शुभकामनाओं का प्रतीक होने के साथ सेवा, जनकल्याण और विकसित भारत के निर्माण के सामूहिक संकल्प का भी प्रतीक बने। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश ने गरीब कल्याण और विकास को जनभागीदारी से जोड़ते हुए आगे बढ़ने की नई ऊर्जा प्राप्त की है। इसी भावना के अनुरूप सेवा संकल्प अभियान के दौरान समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी क्षमता के अनुसार सेवा का कोई न कोई कार्य करे। जब सेवा का भाव जनभागीदारी से जुड़ता है, तभी वह समाज में व्यापक और स्थायी परिवर्तन का माध्यम बनता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ अपनी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है। विकसित भारत का संकल्प तभी साकार होगा, जब हमारे गांव विकसित हों, शहर आगे बढ़ें और प्रत्येक परिवार विकास की मुख्यधारा से जुड़े।

मंत्री रामविचार नेताम के शासकीय निवास में विधि-विधान से हुई भगवान श्री गणेश की स्थापना

रायपुर ■ दैनन्दिनी

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर कृषि एवं आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम के अपने शासकीय निवास परिसर, अटल नगर नवा रायपुर में आज भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का विधि-विधान एवं श्रद्धा-भक्ति के साथ स्थापना एवं पूजा-अर्चना कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंत्री श्री रामविचार नेताम ने भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान श्री गणेश रिद्धि-सिद्धि और बुद्धि के देवता हैं तथा उनका आशीर्वाद सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और मंगल लेकर आए। मंत्री श्री नेताम ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश सभी के जीवन से बाधाओं को दूर कर सुख, शांति, समृद्धि और सफलता प्रदान करें।

राहुल गांधी बोले- 80% भारतीय मांसाहारी, आइसलैंड के पूर्व राष्ट्रपति ने याद दिलाया- 'मैंने तो एपीजे अब्दुल कलाम को वेज ही खिलाया था'

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स समिट के गाला डिनर में पूरी तरह शाकाहारी (Veg) मेन्यू पर छिड़े राजनीतिक विवाद के बीच, आइसलैंड के पूर्व राष्ट्रपति ओलाफुर रेगनर ग्रिम्सोन ने 20 साल पुराना एक अहम किस्सा शेयर किया है। ग्रिम्सोन ने याद किया कि उन्होंने 2005 में आइसलैंड की अपनी राजकीय यात्रा के दौरान तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को पूरी तरह से शाकाहारी भोजन परोसा था।

आइसलैंड से आया कलाम वाला जवाब

ग्रिमसन ने अपने ऑफिशियल X अकाउंट पर लिखा, "जब मैंने किसी नॉर्डिक देश की ऐसी पहली यात्रा पर भारत के राष्ट्रपति के लिए राजकीय भोज का आयोजन किया था, तो मैंने पूरी तरह से शाकाहारी मेन्यू भी पेश किया था। 20 साल से भी पहले और आइसलैंड में, जहां शाकाहारी होना

आसान नहीं है!!"

ग्रिमसन, जो 1996 से 2016 तक आइसलैंड के राष्ट्रपति रहे, ने आइसलैंड और व्यापक नॉर्डिक क्षेत्र की अपनी पहली यात्रा के दौरान कलाम की मेजबानी की थी। उनकी यह पोस्ट उन टिप्पणियों के जवाब में आई है जिनमें ब्रिक्स (BRICS) स्टेट डिनर का मज़ाक उड़ाया गया था, क्योंकि उसमें सिर्फ़ शाकाहारी खाना परोसा गया था।

ब्रिक्स सम्मेलन की कपिल सिब्बल ने तारीफ की

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने सोमवार को कहा कि नई दिल्ली में हाल ही में हुए ब्रिक्स (BRICS) सम्मेलन से चीन को सबसे ज़्यादा फ़ायदा हुआ है। उन्होंने इस समूह को अलग-अलग तरह के देशों का एक मिला-जुला समूह बताया, जिससे ठोस फ़ैसले निकलना मुश्किल था।

कांग्रेस की टिप्पणी पर भड़की बीजेपी, सुधांशु त्रिवेदी ने घेरा

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को हाल ही में हुए ब्रिक्स समिट के डिनर मेन्यू पर कांग्रेस पार्टी की टिप्पणियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस मंच के डिप्लोमैटिक, रणनीतिक और आर्थिक पहलुओं के बजाय खाने पर ध्यान देना यह दिखाता है कि विपक्षी पार्टी के पास कोई ठोस बात कहने की क्षमता नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए त्रिवेदी ने कहा कि भारत के लिए इतनी बड़ी डिप्लोमैटिक कामयाबी के बावजूद, कांग्रेस पार्टी का सिर्फ़ डिनर मेन्यू पर टिप्पणी करने का फ़ैसला न सिर्फ़ हंसी के लायक और अफ़सोसनाक है, बल्कि यह उन्हें किसी शादी में नाराज़ फूफ़ा जैसा भी दिखाता है। कांग्रेस की आलोचना पर तंज कसते हुए त्रिवेदी ने कहा कि पार्टी ने इंटरनेशनल मंच के डिप्लोमैटिक, रणनीतिक और आर्थिक पहलुओं पर चर्चा करने के बजाय खाने पर टिप्पणी करना चुना।

कॉलेज छात्रा ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

एनएसयूआई नेता पर ब्लैकमेलिंग का आरोप

अंबिकापुर. सरगुजा जिले में अंबिकापुर के शासकीय राजीव गांधी पीजी कॉलेज की BA फर्स्ट ईयर छात्रा अंतरा शाह (19 साल) ने अपने जीजा के घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली. वह चिरमिरी के गोदरीपारा से पढ़ाई के लिए पटपरिया आई थी. सनसनीखेज मामले में एनएसयूआई नेता ज्ञान तिवारी का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने नामजद अपराध दर्ज किया है. जानकारी के मुताबिक, कॉलेज की पढ़ाई के लिए अंतरा शाह अपने जीजा निलेश गुप्ता के पटपरिया स्थित घर पर रह रही थी. 10 सितंबर को रात में वह अपनी बहन के साथ रात में खाना खाने के बाद सो गी थी.

सुबह करीब साढ़े पांच बजे परिजन उठे तो घर के शौचालय में अंतरा का फांसी पर लटकता हुआ शव पाया. सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया.

अगले दिन घर पहुंची अंतरा की सहेलियों ने परिजनों को बताया कि एनएसयूआई से जुड़ा छात्र नेता ज्ञान तिवारी अंतरा को लंबे वक्त से ब्लैकमेल कर रहा था. इससे वह काफी परेशान रहती थी. उसकी आत्महत्या के पीछे यही कारण हो सकता है. मृतिका के मामा ने गांधीनगर थाना पहुंचकर ज्ञान तिवारी के खिलाफ नामजद शिकायत दी.

कॉलेज छात्रा सुसाइड मामले में एनएसयूआई नेता का नाम सामने के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता गांधीनगर थाना पहुंच गए. जहां उन्होंने थाना परिसर के समक्ष प्रदर्शन करते हुए ज्ञान तिवारी के खिलाफ अपराध दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग को लेकर नारेबाजी की.

वहीं अभाविप कार्यकर्ताओं ने आरोपित नेता का पुतला भी फूंका. मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने हल्की झूमाझपटी के बाद आग को बुझाया.

छात्राओं से छेड़छाड़ का मामला : प्राचार्य हटाए गए सीएम के निर्देश पर कलेक्टर ने की कार्रवाई

बीजापुर ■ एजेंसी

भोपालपट्टनम विकासखंड के रुद्रारम स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय में छात्राओं से बैड टच के मामले में सीएम साय के निर्देश के बाद कलेक्टर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्राचार्य को पद से हटा दिया है। जांच प्रभावित न हो, इसलिए प्राचार्य का प्रभार वाइस प्राचार्य को सौंपा गया है। इस मामले में कंप्यूटर शिक्षक के खिलाफ POCSO एक्ट के तहत FIR दर्ज हो चुकी है। आरोपी शिक्षक फिलहाल फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संज्ञान और कलेक्टर-एसपी को जांच के निर्देश के बाद प्रशासन ने तेजी से कार्रवाई की है। अब प्राचार्य की भूमिका और पूर्व शिकायतों को लेकर भी जांच आगे बढ़ेगी।बता दें कि एकलव्य स्कूल में कथित छेड़छाड़ के मामले में सात छात्राओं ने एक साथ बीजापुर कलेक्टर विश्वदीप के समक्ष शिकायत की थी। इस पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच के निर्देश दिए। वहीं रविवार को मामले की जानकारी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तक पहुंचने के बाद उन्होंने कलेक्टर को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि मामले में जल्द कार्रवाई की जाए और दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा न जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पुलिस ने भी मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए शिकायत के आधार पर भोपालपट्टनम थाने में आरोपी शिक्षक देवेंद्र दय्या के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (BNS) एवं पॉक्सो अधिनियम, 2012 की सुसंगत धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार प्रकरण में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। मामले की जांच जारी है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर भूस्खलन के बाद एसडीआरएफ ने 6500 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकाला

देहरादून ■ एजेंसी

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में चीड़वासा हेलीपैड के पास भूस्खलन के कारण केदारनाथ पैदल मार्ग अवरुद्ध होने से हजारों श्रद्धालु फंस गए थे। एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने संयुक्त अभियान चलाकर 6500 से अधिक यात्रियों और 700 खच्चरों को सुरक्षित निकाला। मौसम सामान्य होने के बाद मार्ग से मलबा हटाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

चीड़वासा हेलीपैड के समीप भूस्खलन व केदारनाथ पैदल मार्ग के

बाधित होने से फंसे 6500 से अधिक तीर्थयात्रियों को सोमवार को बचाव एवं राहत दलों की देखरेख में सुरक्षित निकाला गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) से मिली जानकारी के अनुसार, गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर भूस्खलन से उसके आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और पुलिस तथा स्थानीय प्रशासन के समन्वय से यात्रियों को सुरक्षित रूप से रास्ता पार कराया। एसडीआरएफ के मुताबिक, अब तक 6500 से अधिक यात्रियों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। साथ ही करीब 600-700 घोड़े-खच्चरों को भी सुरक्षित निकाला जा चुका है। गौरीकुंड से लगभग ढाई किलोमीटर ऊपर चीड़वासा हेलीपेड के समीप रविवार को पहाड़ी से चट्टान और पत्थर गिरने के कारण मार्ग अवरुद्ध हो गया था।

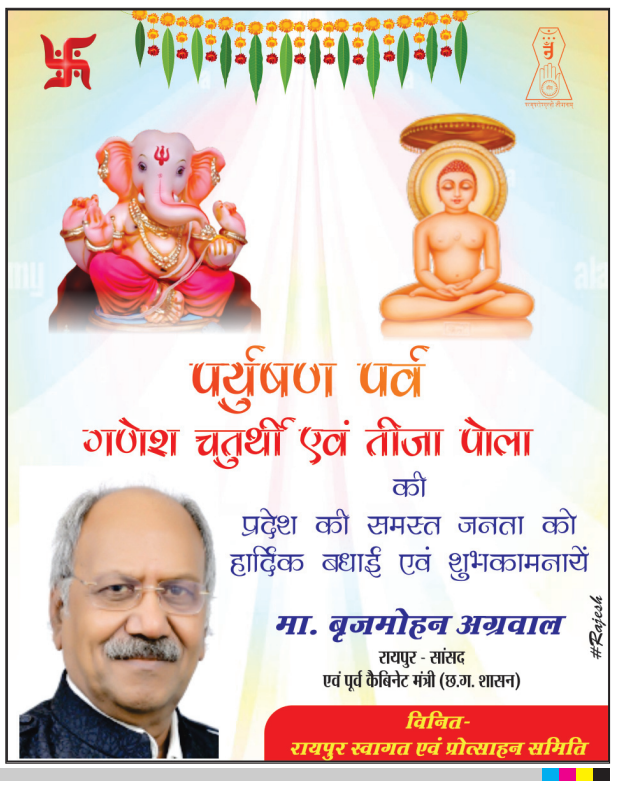

दिशा सालियान की मौत पर CBI ने दर्ज की FIR हत्या-गैंगरेप से लेकर सबूत मिटाने तक की होगी जांच

मुंबई (एजेंसी)। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के करीब छह साल बाद मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देश के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने दिशा की संदिग्ध मौत के मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिशा 8 जून 2020 की रात मुंबई के मालाड वेस्ट स्थित एक इमारत से गिरने के बाद मृत पाई गई थीं। उनकी मौत को उस समय दुर्घटना से जुड़ी घटना मानते हुए एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (ADR) दर्ज की गई थी। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद मामले की नए सिरे से गंभीरता से जांच शुरू हुई है। दिशा सालियान की मौत को लेकर उनके परिवार की ओर से लंबे समय से कई सवाल उठाए जाते रहे हैं। परिवार का आरोप रहा है कि दिशा की मौत महज दुर्घटना नहीं थी और मामले में हत्या की आशंका की जांच होनी चाहिए। इसी मामले की सुनवाई के दौरान बॉम्बे हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने भी इस बात पर सवाल उठाया था कि इतने गंभीर आरोपों के बावजूद केवल ADR क्यों

दर्ज की गई। कोर्ट ने यह भी गौर किया था कि दिशा की मौत के करीब पांच साल बाद तक उनके परिवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट और ADR की प्रतियां उपलब्ध नहीं कराई गई थीं। इसके बाद अदालत ने सीबीआई को मामले में एफआईआर दर्ज कर परिस्थितियों की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया।

सीबीआई ने किन धाराओं में दर्ज किया मामला

सीबीआई की स्पेशल क्राइम-II ब्रांच, नई दिल्ली ने 13 सितंबर 2026 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की। दर्ज एफआईआर का नंबर RC0502026S0006 बताया गया है। जांच में आपराधिक साजिश, सामूहिक दुष्कर्म, हत्या, सबूत मिटाने और कथित तौर पर गलत रिकॉर्ड तैयार करने जैसे गंभीर आरोपों की जांच की जाएगी। सीबीआई ने भारतीय दंड संहिता की धारा 120-B, 376(D), 302, 201, 217 और 218 के तहत मामला दर्ज किया है। इनमें आपराधिक साजिश, सामूहिक बलात्कार, हत्या, सबूत मिटाने या अपराध छिपाने, सरकारी कर्मचारी द्वारा आरोपी को बचाने के इरादे से कानून की अनदेखी और गलत रिकॉर्ड तैयार करने जैसे प्रावधान शामिल हैं।

धारा 120-B – आपराधिक साजिश

धारा 376(D) – सामूहिक बलात्कार

धारा 302 – हत्या

धारा 201 – सबूत मिटाना या अपराध को छिपाने के लिए गलत सूचना देना

धारा 217 – आरोपी को सजा से बचाने के इरादे से सरकारी कर्मचारी द्वारा कानून के निर्देश की अवहेलना

धारा 218 – किसी व्यक्ति को सजा से बचाने के उद्देश्य से सरकारी कर्मचारी द्वारा गलत रिकॉर्ड तैयार करना

मालाड का फ्लैट बनाया गया घटनास्थल

सीबीआई की एफआईआर के अनुसार घटना 8 और 9 जून 2020 की दरमियानी रात की बताई गई है। जांच के लिए मुंबई के मालवानी-मालाड वेस्ट स्थित रेजेंट गैलेक्सी अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 1202 को घटनास्थल के तौर पर दर्ज किया गया है। अब जांच एजेंसी इस बात का पता लगाने की कोशिश करेगी कि उस रात वास्तव में क्या हुआ था और दिशा की मौत किन परिस्थितियों में हुई। मामले की जांच सिर्फ मौत की परिस्थितियों तक सीमित नहीं है। एफआईआर में इस बात की भी जांच का उल्लेख है कि क्या घटना के बाद सबूतों को प्रभावित करने, कथित तौर पर गलत जानकारी देने या किसी को बचाने के लिए रिकॉर्ड में बदलाव करने जैसी कोई कोशिश हुई थी।

पहली बार कव्वाली परफॉर्म करना मेरे लिए नया और रोमांचक अनुभव था, गणेश आचार्य ने इसे बखूबी समझा" : अनिल कपूर

मुंबई (एजेंसी)। वीकेंड पर टीज़र के जरिए दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाने के बाद, स्टार प्लस ने अब इंडिया के टॉप 1%- द अनिल कपूर शो का जोशीला कव्वाली म्यूजिक वीडियो रिलीज़ कर दिया है। बनिजय एशिया द्वारा प्रोड्यूस किए गए इस शो के एंथम में अनिल कपूर का एक अलग और एनर्जेटिक अंदाज़ देखने को मिल रहा है।

इस खास अनुभव के बारे में अनिल कपूर ने कहा, "इंडिया के टॉप 1% इस बात का जश्न है कि हर इंसान का सोचने का तरीका कितना अलग होता है, और यह कव्वाली शो की उसी जीवंतता, ऊर्जा और मनोरंजन को सामने लाती है। इसकी जबरदस्त एनर्जी उस रोमांच की झलक देती है, जो दर्शकों को तब महसूस होगा जब 100 कंटेस्टेंट एक ही भव्य मंच पर अपनी रोज़मर्रा की सोच को परखते नजर आएँगे।"

सिनेमा आइकॉन ने आगे कहा, "पहली बार कव्वाली परफॉर्म करना मेरे लिए एक नया और रोमांचक अनुभव था। मैं चाहता था कि मेरी परफॉर्मेंस शो की खास पहचान के साथ पूरी तरह मेल खाए।

गणेश आचार्य ने इस बात को बखूबी समझा और अपनी सिग्नेचर स्टाइल से कोरियोग्राफी में एक अलग रंग भर दिया, जिससे यह पूरा अनुभव मेरे लिए और भी मजेदार बन गया।"

इस खास म्यूजिकल कोलैबोरेशन के लिए स्टार प्लस ने गणेश आचार्य को साथ जोड़ा है।

जोश और मस्ती से भरपूर यह एंथम शो के दिलचस्प विचार 'बात खटकी तो जीत पक्की' को एक नया म्यूजिकल रंग देता है और इंडिया के टॉप 1% को लेकर बढ़ती उत्सुकता को और आगे ले जाता है।

एनएसई आईपीओ से निवेशकों को मिलेगा निवेश का नया मौका

मुंबई (एजेंसी)। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए किसी बड़ी और जानी-पहचानी कंपनी में निवेश का मौका हमेशा खास होता है। अब नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया यानि एनएसई का आईपीओ निवेशकों के लिए ऐसा ही एक मौका लेकर आया है। एनएसई ने अपने आईपीओ के लिए 1,700 रुपए से 1,785 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह आईपीओ 17 सितंबर से 21 सितंबर, 2026 तक खुला रहेगा, जबकि एंकर इन्वेस्टर्स के लिए बोली 16 सितंबर को लगेगी। निवेशक कम से कम 8 शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे और इसके बाद 8 के मल्टीपल में शेयर ले सकेंगे। यह आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल यानि ओएफएस है, जिसमें मौजूदा शेयरहोल्डर्स कुल 12,64,36,650 शेयर बेचेंगे। इनमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड और अन्य शेयरहोल्डर्स शामिल हैं। इश्यू में रिटेल निवेशकों के लिए कम से कम 35% हिस्सा रखा

NSE
NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED

गया है। क्यूआईबी के लिए अधिकतम 50% और एनआईआई के लिए कम से कम 15% हिस्सा तय है। एनएसई ने 1994 में काम शुरू किया था और यह भारत में इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग शुरू करने वाला पहला एक्सचेंज था। आज यहां ट्रेडिंग के साथ क्लियरिंग, सेटलमेंट, इंडेक्स और मार्केट डेटा जैसी सुविधाएँ भी मिलती हैं। 2025 में ट्रेडिंग वॉल्यूम के आधार पर एनएसई दुनिया का सबसे बड़ा डेरिवेटिव्स एक्सचेंज रहा। 30 जून 2026 तक एनएसई से 13.23 करोड़ यूनिक इनवेस्टर्स जुड़े थे और 3,005 कंपनियाँ लिस्टेड थीं। जून 2026 तिमाही में एनएसई का रेवेन्यू 4,560 करोड़ रुपए और नेट प्रॉफिट 3,121 करोड़ रुपए रहा। इसके शेयर बीएसई पर लिस्ट कराने का प्रस्ताव है। एनएसई का आईपीओ निवेशकों को देश के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज के कारोबार में निवेश का मौका देगा। अब 17 सितंबर से शुरू होने वाले इस इश्यू पर निवेशकों की नजर रहेगी।

स्टेज 4 कैंसर से जूझ रहीं दिग्गज एक्ट्रेस नफीसा अली की बढ़ी मुश्किलें

चेन्नई (एजेंसी)। दिग्गज बॉलीवुड अभिनेत्री नफीसा अली ने अपनी सेहत को लेकर एक नया अपडेट साझा किया है। अभिनेत्री ने बताया कि उनका ओवेरियन और पेरिटोनियल कैंसर आगे बढ़ गया है, जिसके बाद डॉक्टरों ने उनके इलाज का तरीका बदल दिया है। 69 साल की नफीसा लंबे समय से कैंसर से जंग लड़ रही हैं और अपनी बीमारी के दौरान भी सकारात्मक सोच बनाए रखने की कोशिश करती रही हैं। अब उन्होंने बताया है कि हालिया जांच के बाद उन्हें टारगेटेड थेरेपी दी जा रही है।

अस्पताल से तस्वीर शेयर कर दी जानकारी

नफीसा ने रविवार को सोशल मीडिया पर अस्पताल से अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में वह अस्पताल के बेड पर मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं और उनके हाथ में आईवी ड्रिप लगी हुई है। तस्वीर के साथ उन्होंने अपने इलाज में हुए बदलाव की जानकारी दी। नफीसा ने बताया कि हालिया स्कैन में उनके लिवर की सतह पर कैंसर के नए डिपॉजिट दिखाई दिए हैं। इसके बाद उनके इलाज का प्रोटोकॉल बदल दिया गया है। उन्होंने बताया कि अब वह टारगेटेड थेरेपी ले रही हैं और इस मुश्किल लड़ाई का मजबूती से सामना कर रही हैं। अभिनेत्री ने अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों का भी आभार जताया, जो लगातार उन्हें सकारात्मक ऊर्जा और हौसला देते रहे हैं।

तीसरी बार रेमिशन में जाने के बाद फिर बढ़ी बीमारी

नफीसा अली ने कुछ समय पहले बताया था कि उनका ओवेरियन कैंसर चौथे चरण में पहुंच चुका है। उन्होंने यह भी साझा किया था कि वह अपनी बीमारी के दौरान तीसरी बार रेमिशन में गई थीं। हालांकि, हालिया जांच के बाद सामने आए नए परिणामों ने उनके इलाज की दिशा बदल दी है। अभिनेत्री ने अपनी

रिपोर्ट को बेहद सरल शब्दों में समझाते हुए बताया कि पीईटी/सीटी स्कैन से पता चला है कि ओवेरियन और पेरिटोनियल कैंसर आगे बढ़ गया है और लिवर की सतह पर नए डिपॉजिट नजर आए हैं। इसी वजह से डॉक्टरों ने अब उन्हें टारगेटेड थेरेपी पर रखा है।

सोशल मीडिया पर फैंस ने बढ़ाया हौसला

नफीसा के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों और दोस्तों ने जल्द स्वस्थ होने की कामना की। फैशन डिजाइनर फराह खान अली ने भी अभिनेत्री के लिए एक भावुक संदेश लिखा। उन्होंने नफीसा को मजबूत, बहादुर और शानदार बताते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वह इस लड़ाई में कामयाब होंगी। फराह ने एक अन्य सोशल मीडिया यूजर को भी जवाब दिया, जिसने बताया था कि वह भी नफीसा जैसी ही स्टेज के कैंसर से जूझ रही हैं। फराह ने उन्हें हिम्मत न हारने की सलाह दी और प्यार व प्रार्थनाएं भेजीं। नफीसा के पोस्ट पर कई अन्य लोगों ने भी उनके लिए सकारात्मक संदेश साझा किए।

2018 में हुआ था कैंसर का पता

नफीसा अली ने साल 2018 में पहली बार बताया था कि उन्हें स्टेज 3 पेरिटोनियल और ओवेरियन कैंसर का पता चला है। इसके बाद से वह गोवा में रहते हुए अपना इलाज कराती रही हैं।

सेहत

बाईं करवट सोने से क्या फायदा होता है?

रात में सोते वक्त आप न जाने कितनी पॉजिशन बदलते हैं। कभी दाईं करवट सोते हैं तो कभी बाई और कई बार उल्टे सीधे तरीके से भी सो जाते हैं। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट बाईं करवट सोने की सलाह देते हैं। इससे एसिड रिफ्लक्स जैसे लक्षणों को कम करने में मदद मिलती है। हालांकि सोने से पहले आप क्या खाते हैं इससे भी नींद और एसिड पर असर पड़ सकता है। एनेस्थेसियोलॉजिस्ट और इंटरवेंशनल पेन मेडिसिन फिजिशियन डॉक्टर कुणाल सूद ने इंस्टाग्राम पर नींद से जुड़े पांच महत्वपूर्ण तथ्यों और उसकी क्वालिटी को प्रभावित करने वाले बिंदुओं पर ध्यान दिया है। डॉक्टर कुणाल सूद के मुताबिक नींद और आपकी रोज की आदतों के बीच संबंध हो सकता है, जिनमें देर रात खाना, पेट की परेशानी, कुछ खान-पान और दूसरे कारक भी इसमें शामिल हो सकते हैं।

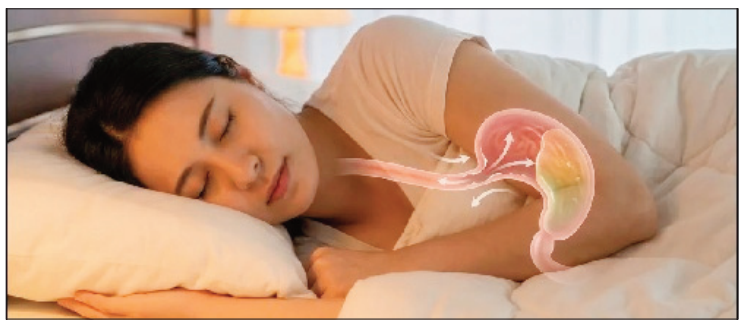

बाईं करवट सोने से एसिड रिफ्लक्स कम

एसिड रिफ्लक्स तब होता है जब पेट का एसिड वापस खाने की नली और गले में आ जाता है, अक्सर ऐसा खाना नली के निचले हिस्से में मौजूद वाल्व के लूज होने या कमजोर होने के कारण होता है। हालांकि डाइट और जीवनशैली को आमतौर पर रिफ्लक्स से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन सोने की पॉजिशन आपके शरीर में एसिड रिफ्लक्स को कम करने में मदद कर सकती है। डॉक्टर सूद के मुताबिक बाईं ओर करवट लेकर सोने से पेट और अन्नप्रणाली के बीच के जोड़, जिसे लोअर ओसोफेजियल स्फिंक्टर (एलईएस) के नाम से जाना जाता है, उसे पेट के एसिड के लेवल से ऊपर रखने में मदद मिल सकती है। इससे एसिड को वापस फूड पाइप में जाने से रोकने में मदद मिल सकती है।

सोने से पहले खाना खाने से नींद में खलल

अगर आप सोने से ठीक पहले बहुत अधिख खाना काते हैं तो इससे नींद की क्वालिटी पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पाचन क्रिया शरीर को उस समय सक्रिय रखती है जब उसे आराम करने के लिए शांत होना चाहिए, जिससे सोना या रात भर सोए रहना मुश्किल हो जाता है। डॉक्टर ने जोर देकर कहा कि सोने से दो घंटे पहले भारी भोजन करने से नींद में खलल पड़ सकता है। सोने के ठीक पहले खाने से घ्रेलिन और इंसुलिन जैसे हार्मोन उत्तेजित होते हैं, जो मेलाटोनिन नींद का हार्मोन को बढ़ाने में मुश्किल पैदा करते हैं। इससे आपकी रोज की लय बिगड़ सकती है। **(एजेंसी)**

डायबिटीज में किस वक्त वॉक करें?

शुगर को लाइफस्टाइल में सुधार कर काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। बढ़े हुए ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए वॉक दवा की तरह काम करती है। डायबिटीज में दवाओं और डाइट के साथ-साथ रोजाना कुछ फिजिकल एक्टिविटी करना भी जरूरी होता है। डॉक्टर वॉक यानी टहलना डायबिटीज के मरीजों के लिए सबसे आसान एक्सरसाइज मानते हैं। इसे किसी भी उम्र के लोग आसानी से लंबे समय तक कर सकते हैं। रोजाना कुछ कदम पैदल चलने से ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और हार्ट की बीमारियों का खतरा कम होता है।

हालांकि डायबिटीज के मरीज को अपनी बीमारी और मेडिकल कंडीशन के हिसाब से वॉक करनी चाहिए। जानिए शुगर के मरीज को कितना पैदल चलना चाहिए। रोजाना कितने कदम चलने से डायबिटीज के मरीज को फायदा होगा और ब्लड शुगर कम होने लगेगा।

डायबिटीज के रोगियों के लिए वॉक सबसे असरदार व्यायाम है। डायबिटीज में भी आपको नॉर्मल लोगों की तरह ही रोदाना 10 हजार कदम चलने चाहिए। अगर आपको बहुत थकान या कमजोरी रहती है या इतना चलना संभव नहीं है तो आपको रोज 30 मिनट की वॉक तो जरूर करनी ही चाहिए।

डायबिटीज में 1 दिन में करीब 6400 कदम एक इंसान को चलने ही चाहिए। अगर किलोमीटर में देखें तो आपको 3 से 4 किमी तेजी से चलना चाहिए। इससे ब्लड शुगर में तेजी से सुधार आएगा। शुगर के मरीज को सप्ताह में 5 दिन वॉक जरूर करनी चाहिए।

वॉक आप किसी भी वक्त कर सकते हैं, लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए खाना खाने के बाद टहलना सबसे ज्यादा अच्छा माना जाता है। खासतौर से डिनर के बाद 15 से 30 मिनट की गई हल्की वॉक ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ने से रोकती है।

इसलिए खाने के बाद वॉक के लिए कुछ मिनट जरूर निकालें। सुबह खाली पेट वॉक करना भी डायबिटीज में लाभदायक हो सकता है, लेकिन इसमें सावधानी जरूरी है।

अगर आप इंसुलिन लेते हैं या ब्लड शुगर लेवल पहले से ही कम है, तो सुबह की वॉक से पहले हल्का नाश्ता कर लेना चाहिए। **(एजेंसी)**

आंवला ज्यादा फायदेमंद है या फिर नींबू?

आंवला और नींबू, दोनों में ही विटामिन सी समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। विटामिन सी की बात की जाए, तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आंवला में नींबू की तुलना में ज्यादा विटामिन सी मौजूद होता है। आइए पहले आपको आंवला के कुछ हेल्थ बेनिफिट्स और नींबू के कुछ हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बताते हैं।

इस आर्टिकल को पढ़ने के बाद आप समझ जाएंगे कि आपके लिए क्या ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है, आंवला या फिर नींबू...

आंवला के फायदे- आंवला का सेवन करके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाया जा सकता है। डायबिटीज जैसी साइलेंट किलर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए भी आंवला काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। आंवला में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी अच्छी खासी मात्रा में मौजूद होते हैं। सही मात्रा में और सही तरीके से आंवला को अपने डाइट प्लान का हिस्सा बनाएं और अपनी सेहत को फौलाद सा मजबूत बनाएं।

फायदेमंद नींबू- नींबू में मौजूद तमाम पोषक तत्व डाइजेशन और गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए भी नींबू को अपने डाइट प्लान में शामिल किया जा सकता है। शरीर के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने के लिए नींबू पानी का सेवन किया जा सकता है।

क्या ज्यादा बेहतर- क्या आप भी यही सोच रहे हैं कि इन दोनों में से ज्यादा फायदेमंद क्या है? अगर हां, तो आपकी जरूरत पर निर्भर करता है कि आपकी सेहत के लिए कौन सा ऑप्शन ज्यादा बेहतर साबित हो सकता है। इम्यूनिटी को बूस्ट करने के लिए आंवला का सेवन किया जा सकता है। लेकिन अगर आप डाइजेशन को सुधारना चाहते हैं या फिर वेट लॉस करना चाहते हैं, तो आपको आंवला और नींबू, दोनों को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम करना शुरू कर देना चाहिए। **(एजेंसी)**

लिवर को डिटॉक्स करने में किचन की ये तीन चीजें हैं फायदेमंद आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया सेवन का सही तरीका

लिवर शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाता है। ऐसे में इसकी सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। कई बार लोग लिवर को डिटॉक्स करने के लिए महंगे महंगे डिटॉक्स सप्लीमेंट्स या जूस पर हज़ारों रूप खर्च करते हैं। लेकिन लिवर को डिटॉक्स करने के लिए ज़रूरी नहीं है कि महंगी सप्लीमेंट्स का ही इस्तेमाल करें। आयुर्वेदिक डॉक्टर सलीम ज़ैदी के मुताबिक, आपके किचन में ही कुछ ऐसी चीजें मौजूद होती हैं जो लिवर का बेहतरीन तरीके से डिटॉक्स कर सकती हैं। इन्हें डाइट में किस तरह और कितनी मात्रा में शामिल करना चाहिए, इसके बारे में भी डॉक्टर ने सही तरीका बताया है।

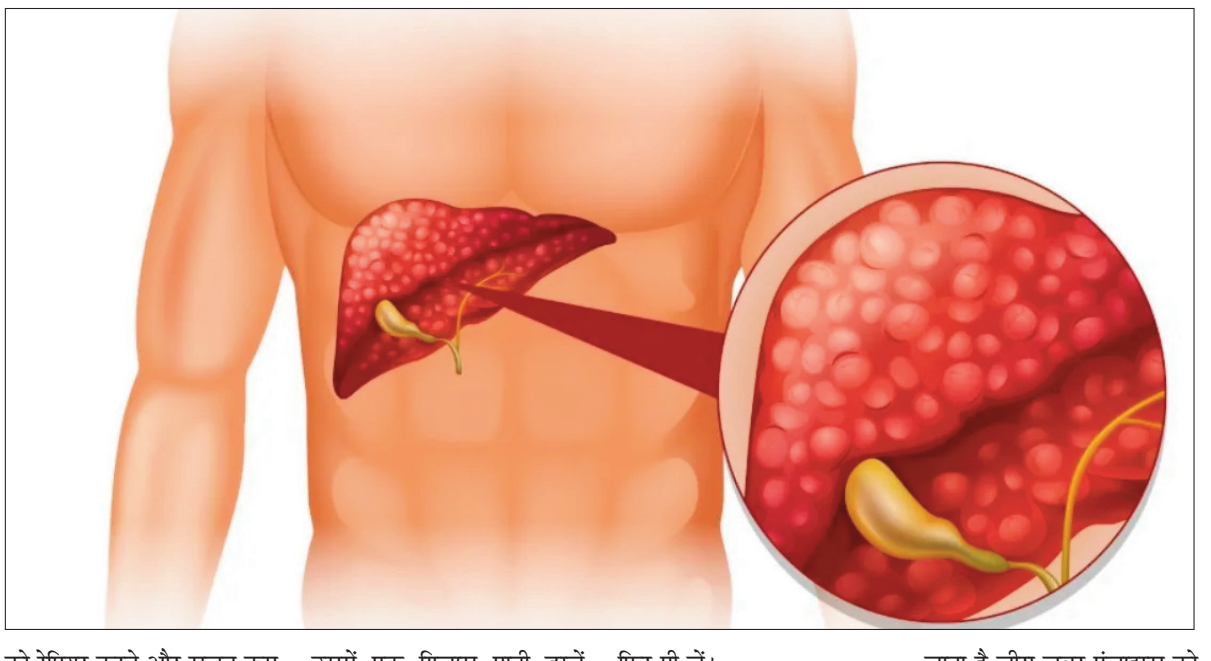

इन तीन चीजों को डाइट में करें शामिल:

लौकी का जूस: लौकी में नेचुरली हेप्टोप्रोटेक्टिक कंपाउंड होते हैं जो लिवर की डैमेज सेल्स को रेपियर करने और सूजन कम करने में मदद करते हैं। ऐसे में लौकी के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर जार में डालें। अब उसमें एक गिलास पानी डालें और फिर एकदम बारीक पीस लें। अब इसे छानकर स्वाद अनुसार काला नमक डालें और फिर पी लें।

जीरा का पानी: जीरा का पानी भी लिवर को डिटॉक्स करने में बेहद फायदेमंद माना जाता है जीरा लवर एंज़ाइम्स को स्टिम्यूलेट करता है जिससे डाइजेशन और डिटॉक्सिफेशन दोनों चीजें बेहतर होती हैं। रात में सोने से पहले आधा चम्मच जीरा को एक गिलास पानी में डालें और सुबह इस पानी को उबालकर पिएं। आप जीरा चबाकर भी खा सकते हैं। खास बात यह है कि जीरा पानी पीने से सिर्फ लिवर ही डिटॉक्स नहीं होगा बल्कि आपका पाचन भी बेहतर होता है और वजन भी कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

नींबू का पानी: नींबू का पानी भी लिवर को डिटॉक्स करने में बेहद लाभकारी माना गया है। दरअसल, निम्बू में मौजूद सिट्रिक एसिड लिवर के बाएॅल प्रोडक्शन को सपोर्ट करता है। बाएॅल का काम ही होता है वेटस्टेज को बाहर निकालना। तो सुबह उठने के बाद, हलके गुनगुने पानी में आधा नीम्बू को निचोड़ें और फिर इस अपनी को पिएं। नींबू का पानी पीने से शरीर को विटामिन सी मिलता है और वेट लॉस में भी फायदा होता है। **(एजेंसी)**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

मंगलवार 15 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

महासमुंद में 17 को जगमगाएंगे आशीर्वाद के 6 लाख दीप

महासमुंद। सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत महासमुंद जिले में 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जिलेभर में करीब 6 लाख दीप प्रज्ज्वलित कर सेवा, सुशासन और जनकल्याण के प्रति सामूहिक संकल्प व्यक्त किया जाएगा। कार्यक्रम को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा से जोड़ते हुए जिले में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम का मुख्य आयोजन अटल परिसर, महासमुंद में होगा, जहां लगभग 8 हजार दीपों से परिसर को रोशन किया जाएगा। इसके साथ ही जिले के सभी प्रमुख मंदिरों, चौक-चौराहों, ग्राम पंचायतों, शासकीय कार्यालयों, पंचायत भवनों, पीडीएस भवनों, अमृत सरोवरों, ग्रामीण बाजारों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। जिलेवासियों से 'हर घर एक दीया' जलाकर इस जनअभियान में सहभागी बनने का आह्वान किया गया है।

हिंदी दिवस पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दी शुभकामनाएं

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने हिंदी दिवस के अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा, भावनाओं और राष्ट्रीय एकता की सशक्त अभिव्यक्ति है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि हिंदी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों और भाषाई विविधताओं के बीच संवाद एवं आपसी जुड़ाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिंदी साहित्य ने भारतीय समाज को विचार, संवेदना और संस्कारों से समृद्ध किया है तथा स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्र निर्माण तक जन-जागरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने 17 सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय डेलीगेशन के लिए आयोजित किया विशेष हेरिटेज टूर

जापान से आए एहिमे यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने देखा छत्तीसगढ़ की प्राचीन विरासत का वैभव

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने जापान के मत्सुयामा स्थित एहिमे यूनिवर्सिटी के 17 सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल के लिए विशेष हेरिटेज टूर का आयोजन किया। अकादमिक एवं शोध सहयोग के उद्देश्य से 12 से 14 सितंबर 2026 तक एनआईटी रायपुर द्वारा होस्ट किए गए जापानी डेलीगेशन ने 14 सितंबर को प्राचीन ऐतिहासिक नगरी सिरपुर का भ्रमण कर छत्तीसगढ़ की उस विरासत को करीब से जाना, जिसमें बौद्ध, हिंदू और जैन संस्कृति का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

मुख्य हॉस्पिटैलिटी एवं आयोजन सहयोगी के रूप में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय मेहमानों के लिए सिरपुर में विशेष हेरिटेज टूर की व्यवस्था की। डेलीगेशन को सिरपुर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्थापत्य कला, पुरातात्विक महत्व और धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराने के लिए विशेषज्ञ स्थानीय गाइड की सेवाएं ली गईं। साथ ही जापानी मेहमानों की खान-पान संबंधी पसंद को ध्यान में रखते हुए विशेष हॉस्पिटैलिटी एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई।

सिरपुर - इतिहास, धर्म और स्थापत्य का अद्भुत संगम

महानदी के तट पर बसा सिरपुर प्राचीन काल में श्रीपुर के नाम से जाना जाता था और दक्षिण कोसल की राजधानी के रूप में इसका महत्वपूर्ण स्थान रहा। वर्तमान सिरपुर में हुए पुरातात्विक उत्खननों से बौद्ध विहारों, हिंदू मंदिरों, जैन अवशेषों तथा अन्य प्राचीन संरचनाओं का विस्तृत संसार सामने आया है। यहां बौद्ध, हिंदू और जैन परंपराओं से जुड़े अनेक पुरातात्विक अवशेष मौजूद हैं।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने इस ऐतिहासिक नगरी के प्रमुख विरासत स्थलों का भ्रमण करते हुए यहां की स्थापत्य परंपरा और प्राचीन सांस्कृतिक जीवन को समझा। उनके लिए यह भ्रमण केवल पर्यटन नहीं, बल्कि भारत और जापान के बीच अकादमिक, सांस्कृतिक और विरासत संवाद का एक जीवंत अनुभव रहा।

लक्ष्मण मंदिर - ईंटों में उकेरी अद्भुत स्थापत्य कला

डेलीगेशन के भ्रमण का प्रमुख आकर्षण लक्ष्मण मंदिर रहा। लगभग सातवीं शताब्दी से संबद्ध यह मंदिर भारत के उत्कृष्ट प्राचीन ईंट निर्मित मंदिरों में गिना जाता है। मंदिर की वास्तुकला, अलंकरण और ईंटों पर की गई बारीक कारीगरी सिरपुर की स्थापत्य कला को प्रदर्शित करती है। मंदिर परिसर में पुरातात्विक महत्व की अनेक प्रतिमाएं और अवशेष भी संरक्षित हैं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मंदिर की संरचना, गर्भगृह, अंतराल और मंडप सहित इसकी स्थापत्य विशेषताओं को देखा तथा स्थानीय गाइड से मंदिर के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संदर्भों की जानकारी प्राप्त की।

आनंद प्रभु कुटी विहार ने बताया सिरपुर का बौद्ध वैभव

इसके बाद डेलीगेशन ने आनंद प्रभु कुटी विहार का भ्रमण किया। यह सिरपुर के प्रमुख बौद्ध पुरातात्विक स्थलों में शामिल है। विहार की संरचना में केंद्रीय प्रांगण के चारों ओर कक्षों की व्यवस्था तथा सुंदर नक्काशीदार

स्थापत्य तत्व दिखाई देते हैं। यहां बुद्ध की प्रतिमा और पद्मपाणि अवलोकितेश्वर से संबंधित कलात्मक अवशेष इसकी बौद्ध विरासत को विशेष बनाते हैं। उपलब्ध पुरातात्विक विवरणों के अनुसार यहां 14 कक्षों वाला मठीय परिसर रहा है।

जापानी विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने यहां प्राचीन बौद्ध शिक्षा, मठीय जीवन और स्थापत्य परंपरा के बारे में जानकारी ली। यह स्थल उनके लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि जापान की अपनी सांस्कृतिक परंपरा में भी बौद्ध दर्शन और कला का गहरा प्रभाव रहा है।

स्वास्तिक विहार - प्राचीन वास्तु योजना का अनूठा उदाहरण

डेलीगेशन ने स्वास्तिक विहार का भी अवलोकन किया। अपने विशिष्ट स्वास्तिकाकार विन्यास के कारण यह विहार सिरपुर की पुरातात्विक विरासत में विशेष पहचान रखता है। उत्खनन से यहां बुद्ध एवं पद्मपाणि से संबंधित प्रतिमाएं और अन्य बौद्धकालीन अवशेष प्राप्त हुए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने विहार की संरचना और प्राचीन वास्तु योजना को समझा तथा यह जाना कि सदियों पूर्व सिरपुर किस प्रकार धार्मिक एवं बौद्धिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा होगा।

तीवरदेव महाविहार में दिखा बौद्ध और भारतीय कला का समन्वय

हेरिटेज टूर का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव तीवरदेव महाविहार रहा। सिरपुर के प्रमुख बौद्ध स्मारकों में शामिल इस परिसर की कला में बौद्ध एवं हिंदू परंपराओं का सुंदर समन्वय दिखाई देता है।

यहां बुद्ध प्रतिमाओं के साथ गंगा-यमुना, गजलक्ष्मी, पौराणिक एवं अन्य अलंकरणात्मक शिल्प दिखाई देते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने इस स्थल को भारतीय सांस्कृतिक समन्वय की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया और यहां की कलात्मक विशेषताओं को करीब से देखा। यह अनुभव विशेष रूप से अकादमिक एवं शोध पृष्ठभूमि से आए सदस्यों के लिए ज्ञानवर्धक रहा।

पुरातात्विक विरासत के विस्तृत संसार से हुए परिचित

सिरपुर में अब तक हुए उत्खननों से अनेक बौद्ध विहारों, शिव एवं विष्णु मंदिरों तथा जैन परंपरा से जुड़े अवशेषों का पता चला है। यहां 12 बौद्ध विहार, एक जैन विहार, बुद्ध एवं महावीर की प्रतिमाओं के साथ अनेक शिव और विष्णु मंदिरों के अवशेष सामने आए हैं। इसी समृद्ध पुरातात्विक परिदृश्य को जापानी डेलीगेशन ने स्थल पर पहुंचकर अनुभव किया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने प्राचीन ईंट निर्माण, मूर्तिकला, विहारों की योजना और मंदिर स्थापत्य को विशेष रुचि के साथ देखा तथा कई स्थलों की जानकारी और दस्तावेजीकरण में भी रुचि दिखाई।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने हेरिटेज टूर को केवल स्मारक भ्रमण तक सीमित न रखते हुए अंतरराष्ट्रीय मेहमानों को स्थानीय संस्कृति और आतिथ्य से जोड़ने का भी प्रयास किया।

जापानी प्रतिनिधिमंडल के खान-पान की पसंद को ध्यान में रखते हुए विशेष भोजन व्यवस्था की गई तथा स्थानीय गाइडों ने सरल एवं रोचक तरीके से सिरपुर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्थापत्य और सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। इस दौरान जापानी विद्यार्थियों एवं प्रतिनिधियों ने सिरपुर की प्राचीनता, स्थापत्य कला और सांस्कृतिक विविधता में विशेष रुचि दिखाई। उनके लिए यह अनुभव भारत की विरासत को अकादमिक अध्ययन और प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से समझने का अवसर बना।

गणेश चतुर्थी पर उपमुख्यमंत्री ने दी 7 ग्राम पंचायतों में 2 करोड़ 90 लाख लागत के गौरव पथ की स्वीकृति

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर माननीय उपमुख्यमंत्री एवं विधायक लोरमी के द्वारा अपने क्षेत्र में मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना अंतर्गत 7 ग्राम पंचायत में लगभग 2 करोड़ 90 लाख लागत के गौरव पथ की स्वीकृति प्रदान की गई। अरुण साव ने कहा कि गांव के विकास से आवागमन सुविधा के लिए पक्की सड़क आवश्यक है, मूलभूत की आवश्यकता को गति मिलेगी। इससे ग्रामीणों को सीधा फायदा होगा। ग्रामीण आंचल में आने वाले समय में और भी विकास कार्य स्वीकृत

होंगे। भाजपा सरकार द्वारा गांव के विकास में अभूतपूर्व बजट में राशि प्रावधान किया गया है,जो अब धरातल में दिखाना प्रारंभ हो गया है, ग्रामीणों के प्रेम स्नेह से यह कार्य संभव हुआ है। मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना द्वारा स्वीकृत ग्राम कुधुरताल - 300मीटर 35.50 लाख, राम्हेपुर (जे०) -300 मीटर - 32.62 लाख, ग्राम करुहानार 500 मीटर-51.40 लाख, नारायणपुर -400 मीटर 44.61 लाख,अमलडीही 350 मीटर - 52.08 लाख, मोहतरा तेली 400 मीटर-44.68 लाख, ग्राम चकला 250 मीटर 29.70 लाख कुल लगलग 2 करोड़ 90 लाख 63 हजार स्वीकृति प्रदान किया है। विकास कर स्वीकृत होने से ग्रामीणों ने अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

गणेश चतुर्थी का पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर आज मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने परिवारजनों के साथ पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाज से विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को

गणेश चतुर्थी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री गणेश बुद्धि, और विवेक के प्रतीक हैं। किसी भी शुभ कार्य का प्रारंभ भगवान गणेश की आराधना से करने की हमारी प्राचीन परंपरा रही है। गणेशोत्सव हमारी आस्था का पर्व होने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकजुटता को सुदृढ़ करने वाला उत्सव भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में तीज-त्योहारों और उत्सवों का विशेष महत्व है। हमारे पर्व हमें अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ परिवार और समाज को भी एक सूत्र में पिरोते हैं। गणेशोत्सव का उल्लास भी हमें सामूहिकता, सद्भाव और लोकमंगल की भावना से जोड़ता है।

शिक्षक रत्न सम्मान समारोह संपन्न

100 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर किया गया सम्मानित

रायपुर ■ दैनन्दिनी

एस.एस. क्रिएशन इवेंट कंपनी, रायपुर, बिट बाइट इन्फोटेक एवं अज़ीम एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी (AEWS) के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर आयोजित शिक्षक रत्न सम्मान समारोह 2026 रोटरी क्लब, राजेंद्र नगर, रायपुर में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समारोह में छत्तीसगढ़ के विभिन्न अंचलों से पधारे लगभग 100 शिक्षकों-शिक्षिकाओं का सम्मान प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर किया गया। श्रीमती ममता साहू जी, अध्यक्ष, छ.ग. राज्य महिला आयोग ने अपने उद्बोधन में कहा - "शिक्षक दिवस केवल एक दिन नहीं, एक संस्कार है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था कि देश का भविष्य कक्षाओं में बनता है। आज यहाँ लगभग 100 शिक्षकों का सम्मान देखकर मन गदगद है। विशेष रूप से महिला शिक्षिकाओं का योगदान अतुलनीय है। आप सभी शिक्षक समाज की रीढ़ हैं, आपका सम्मान पूरे छत्तीसगढ़ का सम्मान है।"

विशिष्ट अतिथियों ने कहा-

डॉ. दीपक शर्मा जी, IGKV, रायपुर - "शिक्षक अन्नदाता की तरह ज्ञानदाता है। कृषि विश्वविद्यालय में भी हम देखते हैं कि एक अच्छा शिक्षक ही अच्छे वैज्ञानिक बनाता है।"

श्री रघुनाथ भारद्वाज जी, वरिष्ठ शोधार्थी - "भारतीय संस्कृति में गुरु को ब्रह्मा-विष्णु-महेश से भी ऊपर रखा गया है। आज के शिक्षकों में वही ऋषि परम्परा दिखती है।"

डॉ. विपुल चौधरी जी, NIT रायपुर - "तकनीक के युग में शिक्षक का रोल और बढ़ गया है। AI के दौर में भी संस्कार केवल शिक्षक ही दे सकता है। बिट बाइट इन्फोटेक का यह प्रयास सराहनीय है।"

डॉ. कविता कुम्भज जी - "एक शिक्षिका के रूप में मैं कह सकती हूँ कि शिक्षक का सम्मान सबसे बड़ा पुरस्कार है। आज मंच पर 100 शिक्षकों की आँखों में जो चमक है, वही असली भारत है।"

डॉ. प्रीति उपाध्याय जी - "शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाता, जीवन पढ़ाता है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है।"

श्री मनोज वैष्णव जी - "रायपुर से लेकर बस्तर तक के शिक्षकों को एक मंच पर लाना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।"

डॉ. रितु श्रीवास्तव जी - _"शिक्षा ही वह दीपक है जो अंधकार मिटाता है, और शिक्षक उस दीपक की

आयोजन समिति ने किया भव्य आयोजन

श्री पीयूष जैन जी - समाज सेवी एवं मुख्य संयोजकः रायपुर के सुपरिचित समाज सेवी, जो पिछले कई वर्षों से शिक्षा एवं समाज कल्याण के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनका संकल्प है कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक कर्मठ शिक्षक को मंच मिले।

श्रीमती प्रिया गुप्ता जी - डायरेक्टर, बिट बाइट इन्फोटेकः रायपुर की अग्रणी आईटी कंपनी की डायरेक्टर, जो शिक्षा को डिजिटल और तकनीक से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सुश्री शगुफ्ता अफरोज जी - डायरेक्टर, अज़ीम एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटीः शिक्षा के माध्यम से वंचित वर्ग तक ज्ञान पहुँचाने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही हैं।

श्री सार्थक जैन जी - डायरेक्टर, एस.एस. क्रिएशन इवेंट कंपनी, रायपुरः पूरे कार्यक्रम के इवेंट प्रबंधन एवं सफल संचालन में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। युवा उद्यमी के रूप में छत्तीसगढ़ में इवेंट इंडस्ट्री को नई दिशा दे रहे हैं।

अंत में सभी सम्मानित लगभग 100 शिक्षकों ने आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

सीईओ आकाश सिंह को बोड़ला जनपद से हटाना कई सवालों को देता है जन्म

- विकाश शुक्ला

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रशासनिक व्यवस्था के तहत जिला पंचायत कबीरधाम के अधिकारियों के कार्यदायित्व में बदलाव किया गया है। जारी आदेश के अनुसार आकाश सिंह, सहायक परियोजना अधिकारी एवं प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बोड़ला को आगामी आदेश तक जिला पंचायत कबीरधाम में कार्य करने हेतु आदेशित किया गया है। वहीं उनके स्थान पर योगेश वर्मा, प्रभारी सहायक परियोजना अधिकारी, जिला पंचायत कबीरधाम को अस्थायी रूप से जनपद पंचायत बोड़ला के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का समस्त प्रभार सौंपा गया है। प्रशासन द्वारा यह निर्णय जनपद पंचायत बोड़ला में कार्यों के सुचारू संचालन एवं प्रशासनिक व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

अचानक बदलाव बना चर्चा का विषय

प्रशासनिक स्तर पर किए गए इस बदलाव के बाद बोड़ला क्षेत्र में यह विषय चर्चा का केंद्र

बन गया है। स्थानीय स्तर पर लोगों के बीच तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसी क्या प्रशासनिक आवश्यकता सामने आई, जिसके चलते प्रभारी सीईओ आकाश सिंह को आगामी आदेश तक जिला पंचायत कबीरधाम में कार्य करने के लिए भेजा गया है।

आकाश सिंह का बोड़ला जनपद पंचायत में लगभग एक से डेढ़ वर्ष का कार्यकाल रहा। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की प्रशासनिक व्यवस्था को समझने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों का लगातार दौरा किया। बोड़ला जनपद पंचायत का अधिकांश हिस्सा वनांचल क्षेत्र में आता है, जहां भौगोलिक परिस्थितियों और ग्रामीण समस्याओं को समझना प्रशासन के लिए चुनौतीपूर्ण माना जाता है। इसके बावजूद उन्होंने कम समय में क्षेत्र की जमीनी स्थिति को समझने का प्रयास किया।

शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के लिए रहे सक्रिय

स्थानीय लोगों के अनुसार आकाश सिंह शिकायतों को गंभीरता से लेते थे और मामलों के निराकरण के लिए तत्काल जांच टीम गठित कर कार्रवाई की दिशा में पहल करते थे। वे ग्राम पंचायतों का नियमित दौरा कर योजनाओं और विकास कार्यों की स्थिति की जानकारी लेते रहे। उनके कार्यकाल के दौरान प्रशासनिक कार्यों में त्वरित निर्णय लेने की कार्यशैली भी चर्चा में रही।

यही वजह है कि उनके स्थानांतरण-सदृश इस प्रशासनिक बदलाव को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हालांकि प्रशासनिक आदेश में इसे नियमित प्रशासनिक व्यवस्था के तहत किया गया बदलाव बताया गया है। आकाश सिंह के विरुद्ध किसी शिकायत अथवा कार्रवाई का उल्लेख आदेश में नहीं है।

फिलहाल योगेश वर्मा को जनपद पंचायत बोड़ला की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि वे वनांचल क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में विकास योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों को किस तरह गति देते हैं।

:- संपादकीय :-

रेत पर टिका मॉडल

स्टार्ट-अप रिसर्च फर्म ट्रैकसन के मुताबिक एआई में निवेश की लगी होड़ के कारण विदेशी निवेशकों का रुख अमेरिका की ओर मुड़ा। नतीजतन, कम-से-कम 10 भारतीय स्टार्ट-अप्स अपना यूनिकॉर्न का दर्जा गंवा चुके हैं।भारत में कम से कम 10 स्टार्ट-अप्स 2024 के बाद से अपना यूनिकॉर्न दर्जा गंवा चुके हैं। यूनिकॉर्न उन नई टेक कंपनियों को कहा जाता है, जिनका बाजार मूल्य एक बिलियन डॉलर से अधिक हो जाता है। कोरोना काल में भारतीय स्टार्ट-अप्स विदेशी निवेशकों के आकर्षण का केंद्र बने। नतीजतन, 2020-21 के बाद से तकरीबन 100 भारतीय स्टार्ट-अप्स को यूनिकॉर्न का दर्जा मिला। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्टार्ट-अप इंडिया योजना की कामयाबी बताया गया। लेकिन 2024 से कहानी पलटनी शुरू हो गई। स्टार्ट-अप रिसर्च एवं एनालिटिक्स फर्म ट्रैकसन के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) में निवेश की लगी होड़ के कारण विदेशी निवेशकों का रुख अमेरिका की ओर मुड़ा। उधर अमेरिकी बॉन्ड्स पर ब्याज दरें भी बढ़ीं, जिनसे वहां निवेश करने में ज्यादा फायदा नजर आने लगा।इस बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भी तमाम तरह की नकारात्मक चचाएं चलीं। तो कहा जा रहा है कि निवेशक अब कहानी के बजाय कारोबार की ठोस संख्याओं (मुनाफा) को देख रहे हैं। यानी धारणा बनी है कि भारतीय स्टार्ट-अप्स ने उज्ज्वल भविष्य की कहानियां निवेशकों को बेची थीं, जिनमें अब निवेशकों का भरोसा घट गया है। यह दीगर है कि निवेशकों का अभी जो आकर्षण केंद्र है, वह भी फिलहाल रेत की जमीन पर ही टिका है। अंतरराष्ट्रीय वित्त क्षेत्र में एआई में हुए अनियंत्रित निवेश को बाजार का बबूला मानने वालों की तदाद तेजी से बढ़ रही है। अमेरिका में मुद्रास्फीति में इजाफे के साथ ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना मजबूत हुई है।उधर अमेरिका सरकार पर 40 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज चढ़ चुका है, इसलिए उसके बॉन्ड भी अब ऊंची ब्याज दर पर बिक रहे हैं। इससे बाजार में उपलब्ध नकदी के सिकुड़ने की आशंका है। कहा गया है कि हर बड़ा मार्केट बबल तब फटा, जब मुख्य कंपनियों के लिए उधार लेने की लागत (यानी ब्याज दर) तेजी से बढ़ी। यह सवाल चर्चा में है कि क्या एआई बूम का भी वही हाल होने जा रहा है? गौरतलब है कि चाहे स्टार्ट-अप बूम हो या एआई, दोनों की बुनियाद हवाई उम्मीदें रही हैं। ऐसी कथाओं का अक्सर निराशाजनक अंत होता है।

जनता की जागरूकता लोकतंत्र के लिए जरूरी

विनीत नारायण

इससे अपना लोकतंत्र मजबूत बनेगा और नेताओं और अधिकारियों में जिम्मेदारियों की भावना विकसित होगी, जो आजादी मिलने के 2 दशक बाद से ही लुप्त होना शुरू हो गई थी। आज तो हालत यह हो गई है कि जो नेता या अफसर जितना ज्यादा भ्रष्ट होता है वह उतनी ही दबंगई दिखाता है। उसे अभी तक यह गलतफहमी है कि उससे कोई सवाल नहीं कर सकता। जो राजनेता, मुख्यमंत्री, मंत्री सच्चे और ईमानदार हैं और यह चाहते हैं कि विकास कार्यों के लिए आबंटित धन का सदुपयोग हो, वे जनता की इस पहल का स्वागत करेंगे, क्योंकि ऐसा करने से उन्हें अपने प्रांत के बारे में जमीनी हकीकत बिना किसी लाग-लपेट के नियमित मिलने लगेगी। ऐसे में वे अपने प्रशासन को कड़े निर्देश देकर जनता की समस्याओं का हल करवा पाएंगे।-जब वे देखेंगे कि उनके बच्चों को स्कूलों में बुनियादी सुविधा मिलना तो दूर उल्टा उसके विरुद्ध आवाज उठाने पर पुलिस की दंडात्मक कार्रवाई को झेलना पड़ रहा है, तो उनका पारा भी सातवें आसमान पर चढ़ेगा। ऐसे हालातों को काबू कर पाना किसी भी मंत्री या सरकार के लिए असंभव होगा। यह तो एक शुरूआत है, जो लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है।

जब से जेन-की ने जंतर मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ सफल धरने का आयोजन किया है, तब से पूरे देश के विद्या?थयों में अभूतपूर्व नवचेतना का उदय हुआ है। आज देश भर के ग्रामीण अंचलों के खस्ताहाल सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी अपने स्कूलों की अव्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाने लगे हैं। उनमें स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों से सवाल पूछने की हिम्मत आ गई है। प्रसन्नता तो इस बात की है कि अब ऐसी चेतना प्राथमिक पाठशालाओं के बच्चों तक में पैदा हो गई है। वे अपने स्कूल की जर्जर या नदारद इमारत, शौचालयों का अभाव, शिक्षकों की संख्या में भारी कमी, स्कूल से मिलने वाले भोजन की खराब क्वालिटी, स्कूल तक पहुंचने वाले मार्गों की दुर्दशा, जैसे गंभीर मुद्दों पर खुलकर और संगठित होकर सवाल पूछने लगे हैं। राजस्थान के एक माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने तो विद्यालय के गेट पर ताला ही जड़ दिया और धरने पर बैठ गईं। उनका कहना था कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जातीं, स्कूल का ताला नहीं खुलेगा। देश भर में पनप रही इस नई प्रवृत्ति से प्रशासन और सत्तारूढ़ दल हक्के-बक्के रह गए हैं। उन्हें जवाब देते नहीं बन रहा। सोशल मीडिया पर ऐसे दर्जनों वीडियो रोज वायरल हो रहे हैं, जिनमें ऐसे घटनाक्रम प्रमुखता से दिखाए जा रहे हैं। सबसे रोचक बात यह है कि इस तरह विरोध के स्वर उठाने वाले छात्र किसी राजनीतिक दल के बहकावे में आकर ये कदम नहीं उठा रहे। राजनीतिक दल और उनके कार्यकत्ता तो खुद इस नई परिस्थिति से बेचैन हैं क्योंकि आज तक जनता और शासन के बीच बिचौलिए की उनकी आत्मघोषित भूमिका अब निरर्थक होती जा रही है। यही हाल मीडिया का भी है। जो मीडिया सरकारों की चाटुकारिता या उनका प्रचारक बन कर अपने कत्तव्यों की इतिश्री कर रहा था, वह अचानक यह महसूस कर रहा है कि आम जनता की दृष्टि में अब उनकी कोई अहमियत नहीं बची। एक और रोचक तथ्य यह है कि ऐसी जागृति केवल भाजपा शासित राज्यों में आई हो, यह बात नहीं है। जिन राज्यों में कांग्रेस या अन्य दलों की सरकारें हैं, वहां के छात्र भी शिक्षा व्यवस्था की खामियों को लेकर अब मुखर हो गए हैं। कुछ पत्रकार तो हमेशा अपना कत्तव्य निष्ठा से निभाते आए हैं। इस माहौल से उत्साहित हो कर जब उन्होंने कुछ राज्यों में विद्यालयों की दुर्दशा पर रिपोटिग की तो उससे घबराकर वहां के मुख्यमंत्रियों ने ऐसे पत्रकारों के विरुद्ध पुलिस की दंडात्मक कार्रवाई शुरू करवा दी। मजे की बात यह है कि ऐसा करने वालों में वे मुख्यमंत्री भी हैं, जो दिन-रात सैंकड़ों करोड़ रुपए अपने प्रचार-प्रसार पर खर्च करके अपनी उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटते हैं। दरअसल ऐसे मुख्यमंत्री, चाहे किसी भी दल के क्यों न हों, इस मुगालते में थे कि उनका आक्रामक प्रचार, उनके शासन की कमजोरियों को ढक लेगा। जब मीडिया ही मैनेज हो गया तो उनकी सरकारों की कमजोरियां आम जनता तक कौन पहुंचाएगा? लेकिन अब पासा पलट गया। मीडिया तो मैनेज हो गया लेकिन टैक्नोलॉजी का फायदा उठा कर अब हर छात्र एक रिपोर्टर बन चुका है। वह एक स्मार्टफोन से जमीनी हकीकत दिखाकर, सरकार के झूठे दावों की पोल खोल रहा है। यह तो एक तरह का ऐसा सैलाब है, जिसे काबू कर पाना अब किसी भी दल की सरकार के लिए नामुमकिन होगा। दो-चार पत्रकारों पर तो दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है लेकिन जब विद्यालयों के सैंकड़ों छात्र हकीकत बयान करने लगें तो उन पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जा सकती। अगर किसी मूर्ख नेता ने अहंकारवश ऐसा करने का दुःसाहस किया तो वह वोट बैंक को खो देगा। क्योंकि बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य को लेकर हर माता-पिता चिंतित रहता है। जब वे देखेंगे कि उनके बच्चों को स्कूलों में बुनियादी सुविधा मिलना तो दूर उल्टा उसके विरुद्ध आवाज उठाने पर पुलिस की दंडात्मक कार्रवाई को झेलना पड़ रहा है, तो उनका पारा भी सातवें आसमान पर चढ़ेगा। ऐसे हालातों को काबू कर पाना किसी भी मंत्री या सरकार के लिए असंभव होगा। यह तो एक शुरूआत है, जो लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन इसका दायरा अब और बढ?ा चाहिए।

हर आम नागरिक को अपने परिवेश पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। अगर उनके घर के सामने सड़क टूटी पड़ी है या उसमें पानी भर रहा है, अथवा उनके इर्दगिर्द कूड़े के अम्बार लगे हैं तो उन्हें उसकी फोटो खींच कर फौरन सोशल मीडिया पर वायरल कर देनी चाहिए, जिससे स्थानीय प्रशासन हरकत में आए और जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी को महसूस करे। जब हर नागरिक ऐसा करना शुरू कर देगा तो भ्रष्ट अधिकारियों या राजनेताओं पर भारी दबाव पड़ेगा। उन्हें मजबूरन जनता की परेशानियों का निदान करना होगा।

जब एक ही इलाके के दर्जनों या सैंकड़ों लोग एक-सी समस्याओं का खुलासा करेंगे तो फिर उन सबका सामूहिक दमन करना किसी भी प्रांतीय सरकार या स्थानीय निकायों को करना मुश्किल होगा।

ज्योतिष

नजरिया | अनन्या मिश्रा

गणेश जी का स्वरूप सिखाता है जीवन के बड़े सबक, जानें हर अंग का खास महत्व

भारतीय संस्कृति के धार्मिक ग्रंथों में गणेश जी को प्रथम पूज्य देव का स्थान प्राप्त है। प्रत्येक आध्यात्मिक एवं धार्मिक अनुष्ठान में सर्वप्रथम गणेश जी की आराधना का विधान है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को गणेश जी का जन्म दिवस माना गया है।भारतीय संस्कृति के धार्मिक ग्रंथों में गणेश जी को प्रथम पूज्य देव का स्थान प्राप्त है। प्रत्येक आध्यात्मिक एवं धार्मिक अनुष्ठान में सर्वप्रथम गणेश जी की आराधना का विधान है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को गणेश जी का जन्म दिवस माना गया है। इस बार यह पावन पर्व 14 सितम्बर को आरम्भ हो रहा है। दस दिन तक चलने वाले इस पर्व का समापन अनंत चतुर्दशी के अवसर पर होता है। गणपति जी प्रत्येक भारतीय जनमानस की आत्मा में बसे हुए हैं इसलिए गांव-देहात में रहने वाला साधारण मनुष्य भी अपने प्रत्येक कार्य का शुभारंभ गणेश जी के नाम स्मरण से करता है। वैसे तो प्रतिदिन ही भगवान गणेश की पूजा की जाती है लेकिन भाद्रपद मास में इस पावन पर्व पर गणपति की उपासना अत्यंत शुभ एवं मंगलकारी मानी गई है।गणेश जी शौर्य, साहस तथा नेतृत्व के परिचायक हैं। पुनीत मन से की गई भगवान गणेश की आराधना भक्त को बुद्धि, विवेक और ज्ञान प्रदान करती है। जीवन तथा कार्य पथ पर आने वाली विभिन्न बाधाओं और दुखों को दूर करने के लिए गणपति की उपासना अंतःकरण में एक विशेष शक्ति प्रदान करती है इसलिए हमारे शास्त्रों में गणेश जी को विघ्नहर्ता, मंगल मूर्ति तथा सिद्धिदायक कहा गया है। इस धार्मिक अनुष्ठान में गणेश जी का पूजन-अर्चन हमारे जीवन में आने वाले सभी विघ्नों और बाधाओं को दूर करके सिद्धि, मंगल तथा शुभता प्रदान करता है। गणेश जी, लक्ष्मी जी एवं सरस्वती जी के साथ पूजे जाते हैं। उन्होंने दोनों को आदर्श रूप में समन्वित कर रखा है। ऋद्धि-सिद्धि के कारण उन्हें संपत्ति का अधिपति भी माना जाता है। इस प्रकार उन्हें विद्या बुद्धि और संपत्ति का दाता स्वीकार किया गया है।

10 दिन तक क्यों मनाया जाता है गणेश चतुर्थी का पर्व-महर्षि वेदव्यास जी ने महाभारत जैसे ग्रंथ की रचना गणेश जी के सहयोग से की। दस दिन तक चलने वाले इस गणेश उत्सव के पीछे पौराणिक कथा है कि वेदव्यास जी ने गणेश जी से महाभारत ग्रंथ लिखने की प्रार्थना की। गणेश जी ने बिना रुके लगातार दस दिन में इस विशाल ग्रंथ को लिखा। इसलिए उनके ज्ञान, विवेक और कौशल को नमन करने के लिए यह उत्सव दस दिन तक चलता है।

हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी, 14 सितंबर को एक साथ मनाया जाएगा हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी

गणेश जी से प्रेरणा-गणेश जी के शरीर की विचित्र आकृति हमें अनेक प्रतीकात्मक अर्थों के माध्यम से प्रेरणा प्रदान करती है। उनका बड़ा मस्तक विशाल बुद्धि, ज्ञान और व्यापक सोच का प्रतीक है। यह हमें हमेशा खुले मन से विचार करने और ज्ञान प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। उनके बड़े-बड़े कानइस बात के परिचायक हैं कि वे सबकी प्रार्थना सुनते हैं।

ये सीख देते हैं कि जीवन में बोलने से ज्यादा महत्वपूर्ण कई बार ध्यान से सुनना होता है। उनकीछोटी-छोटी आंखें एकाग्रता और दूरदर्शिता की प्रतीक मानी जाती हैं। वे लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखने और परिस्थितियों को गहराई से समझने की प्रेरणा देती हैं। गणेश जी की लंबी सूंड उनकी कार्यकुशलता और परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता की प्रतीक है। उनका एकदंत त्याग, दृढ़ संकल्प और बुराई को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने का संदेश देता है।

उनका अंकुश मन और इंद्रियों को नियंत्रित रखने की प्रेरणा देता है, जबकि पाश आसक्ति और नकारात्मक बंधनों पर नियंत्रण का संदेश देता है।

धर्म

-धर्म- संस्कृति | दिव्यांशी भदौरिया

हरतालिका तीज पर मिट्टी से भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा बनाकर पूजा करने की परंपरा बेहद प्राचीन

हरतालिका तीज पर मिट्टी से भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा बनाकर पूजा करने की परंपरा बेहद प्राचीन और आध्यात्मिक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती ने जंगल में बिना किसी साधन के बालू का शिवलिंग बनाकर कठिन तपस्या की थी, जिससे प्रसन्न होकर शिवजी ने उन्हें अपनाया। मिट्टी को पंचतत्वों में सबसे पवित्र माना जाता है, जो आडंबरहीन भक्ति और अटूट श्रद्धा का प्रतीक है।हिंदू धर्म व्रत-त्योहारों का विशेष महत्व माना जाता है। हरतालिका तीज का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, अच्छी सेहत और अखंज सौभाग्य के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज का व्रत रखा जाता है। खासकर इस व्रत की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें बाजार की बनीं महंगी मूर्तियों की पूजा नहीं की जाती बल्कि सुहागिन महिलाएं अपने हाथों से शुद्ध मिट्टी के भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा बनाती हैं। आइए आपको इस व्रत में मिट्टी की मूर्तियां बनाने की परंपरा क्यों शुरू की गई और इसके पीछे कौन-सी पौराणिक कथा जुड़ी है। धर्मऔर श्रद्धा-माता पार्वती द्वारा स्वयं की गई पहली स्थापना की परंपरा-असल में हरतालिका तीज में मिट्टी से भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति बनाने का सीधा संबंध माता पार्वती के उस ऐतिहासिक तप से है, जो उन्होंने शिवजी को पाने के लिए जंगल में किया था। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब माता पार्वती को अपनी सखियों के साथ महल छोड़कर घने जंगल में शरण लेनी पड़ी थी, तब वहां उनके पास पूजा करने के लिए सोने-चांदी या किसी अन्य धातु की मूर्तियां उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने एकांत और प्राकृतिक वातावरण में अपने कोमल और पवित्र हाथों से नदी के किनारे की रेत और शुद्ध मिट्टी को इकट्ठा किया। फिर माता पार्वती ने भगवान शिव के लिंग रुप और अपनी श्रद्धा के अनुसार उनकी प्रतिमा को आकार दिया।माता ने श्रद्धा के साथ उस मिट्टी की मूर्ति की विधि-विधान से पूजा की थी। क्योंकि इस व्रत की शुरूआत ही माता पार्वती द्वारा मिट्टी की पूजा से हुई थी, इसलिए आज भी सुहागिन महिलाएं उसी प्राचीन परंपरा को जीवित रखते हुए हाथों से मिट्टी के भगवान बनाकर उनकी आराधना करती हैं।

शिव और माता पार्वती की मूर्ति बनाने की मिट्टी को खास क्यों माना जाता है?धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से मिट्टी को पंचतत्वों में से एक सबसे पवित्र और शुद्ध तत्व माना जाता है। मान्यता है कि इस संसार की हर रचना अंततः इसी मिट्टी में विलीन हो जाती है और जीवन का आधार भी यही है। जब सुहागिनें अपने हाथों से मिट्टी को गूंथकर भगवान शिव और माता पार्वती का स्वरुप देती हैं, तो यह इस बात का प्रतीक होता है कि उनकी आस्था और भक्ति बिल्कुल इस कच्ची और पवित्र मिट्टी की तरह ही निर्मल, सच्ची और अडिग है। वहीं, हाथों से मूर्ति बनाना इस बात को भी दशार्ता है कि पूजा सिर्फ दिखावे या बाजार की महंगी चीजों की मोहताज नहीं होती बल्कि इसके लिए सच्चे मन, समर्पण और भावना की बेहद जरुरत होती है। मिट्टी से बनीं मूर्तियों को बाद में विधिवत रुप से जल में विसर्जित कर देती है।

मिट्टी की मूर्ति बनाने को लेकर पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, माता पार्वती ने जब राजा हिमालय के महल को त्याग किया और जंगल की गुफा में बालू के शिवलिंग की स्थापना करते कठोर तपस्या शुरू की थी, जिसमें उन्होंन अन्न-जल त्याग दिया था।

जानिए 6वें ज्योतिर्लिंग का पौराणिक इतिहास और चांदी के Kavach की मान्यता

जो भी भक्त सच्चे मन से महादेव से प्रार्थना करते हैं, वह उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ऐसे में आज हम आपको शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से छठवें ज्योतिर्लिंग 'भीमाशंकर' के बारे में बताने जा रहे हैं।भगवान शिव के पवित्र 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन मात्र से ही तमाम बाधाएं, ग्रह दोष, बुरे विचार और नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। सावन के महीने में द्वादश ज्योतिर्लिंगों में किसी एक भी ज्योतिर्लिंग के दर्शन करना उस समान ही पुण्य देता है, जितना की चारधाम यात्रा से मिलता है। क्योंकि इस दौरान महादेव धरती पर निवास करते हैं और जो भी भक्त सच्चे मन से उनकी प्रार्थना करते हैं, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से छठवें ज्योतिर्लिंग 'भीमाशंकर' के बारे में बताने जा रहे हैं त्रेतायुग में त्रिपुरसुर नामक दैत्य था। उसने भगवान शिव की पूजा कर उनसे अमरता का वरदान प्राप्त किया। महादेव की तपस्या से खुश होकर महादेव ने उसको आशीर्वाद देते हुए कहा कि कोई भी महिला या पुरुष तुमको मार नहीं सकता है। भगवान शिव के आशीर्वाद से वह तीनों लोक में जमकर खूब आतंक मचाने लगा। सभी देवता और मनुष्य उस दैत्य के आतंक से परेशान हो गए हैं। कीमतीधातुएं खरीदेंजिसक बाद सभी देवता भगवान शिव के शरण में पहुंचे और महादेव ने उस दैत्य को खत्म करने का फैसला किया। फिर महादेव और मां पार्वती ने अर्धनारी नटेश्वर के रूप में एक नया रूप धारण किया। फिर कार्तिका पूर्णिमा के दिन त्रिपुरासुर को मौत के घाट उतार दिया।

त्रिपुरासुर दैत्य की मौत के बाद उसकी पत्नियां डाकिनी और शाकिनी ने महादेव के पास त्रिपुरासुर के बिना अपने अस्तित्व के बारे में पूछा था। तब भगवान शिव ने दोनों को अमरता का वरदान दे दिया। जो महादेव ने त्रिपुरासुर को प्रदान किया था। तब से भीमाशंकर को 'डाकिन्यांभीशंकरम' के नाम से जाना जाता है।भीमाशंकर मंदिर चारों ओर पहाड़ियों से घिरा हुआ है। मंदिर की करीब 3.5 मीटर चौड़ा और करीब 15 मीटर लंबाई में है। माना जाता है कि छत्रपति शिवजी महाराज ने इस मंदिर का निर्माण कराया था। जिसके बाद इस मंदिर के शिखर को18वीं शताब्दी में नाना फडणवीस ने बनवाया था।इस ज्योतिर्लिंग से जुड़ी कई कथाएं प्रचलित हैं। जिसमें एक कथा यह भी है कि कुंभकर्ण के पुत्र का नाम भीम था। वह अपने पिता की मौत का बदला लेना चाहता था। जिसके लिए उसने घोर तपस्या की और ब्रह्माजी से विजय होने का वरदान प्राप्त किया। वरदान पाने के बाद उसने तीनों लोकों में आतंक मचाना शुरूकर दिया था। इसके बाद भोलेनाथ ने भीम राक्षस से युद्ध किया और उसका वध कर दिया था। तीर्थयात्राबुक करेंजिसके बाद सभी देवताओं ने भगवान से वहीं पर शिवलिंग रूप में विराजमान होने का आग्रह किया।

इस आग्रह को महादेव ने स्वीकार कर लिया। तभी से इसको भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है।अधिकतर समय भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग पर चांदी का श्रृंगार रूपी कवच चढ़ा होता है। जिससे ज्यादातर समय ज्योतिर्लिंग के मूल स्वरूप के दर्शन नहीं कर पाते हैं। केवल कुछ समय के लिए दिन में इसके चांदी के कवच को हटाया जाता है।

साधार जनमत

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मुड़घुसरी में 1.48 करोड़ रुपए के तीन सड़क का किया भूमिपूजन

वनांचल में 15.40 किलोमीटर सड़कों का होगा निर्माण, विकास को मिलेगी नई रफ्तार

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। वनांचल के गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में बोड़ला विकासखंड को बड़ी सौगात मिली है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्राम मुड़घुसरी में 1.48 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले तीन सड़क मार्गों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। कुल 15.40 किलोमीटर लंबाई के इन सड़क मार्गों के निर्माण से बैगा बाहुल्य क्षेत्र के ग्रामीणों का आवागमन आसान होगा और शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार सहित अन्य जरूरी सेवाओं तक उनकी पहुंच बेहतर होगी। भूमिपूजन के अंतर्गत मुड़घुसरी से ठाकुरटोला मार्ग का 3.30 किलोमीटर, ठाकुरटोला से बांटीपथरा मार्ग का 4.00 किलोमीटर तथा सिंघारी से पांडातराई मार्ग का 8.40 किलोमीटर लंबाई में निर्माण किया जाएगा। इन मार्गों के बेहतर होने से वनांचल के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा मजबूत होने के साथ ही क्षेत्र में विकास कार्यों और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि वनांचल क्षेत्रों का विकास शासन की प्राथमिकता है। सड़क सहित मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कें ग्रामीणों के जीवन को आसान बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में विकास की नई संभावनाओं का मार्ग भी खोलती है। सड़क मार्गों के नवीनीकरण से वनांचल के ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। बेहतर सड़क सुविधा से विद्यार्थियों, मरीजों, किसानों और आम नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार तथा अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। इससे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों और विकास कार्यों को भी गति मिलेगी। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, श्री नितेश अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य श्री राम कुमार भट्ट, नगर पंचायत अध्यक्ष बोड़ला श्री विजय पाटिल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री

विदेशीराम धुर्वे, श्री संतोष पटेल, श्री मनीराम साहू, श्री भुनेश्वर चंद्राकर, श्री रामकिंकर वर्मा, श्री खिलेश्वर साहू सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से किया संवाद, सुनीं मांग और समस्याएं

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्रामवासियों से आत्मीय संवाद किया और उनकी मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों से गांव में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा आवश्यक विकास कार्यों के संबंध में जानकारी ली और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति भी जानी। उन्होंने ग्रामीणों से प्रधानमंत्री आवास योजना सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने कहा। उन्होंने कहा कि गांव के विकास में ग्रामीणों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। शासन द्वारा विकास कार्यों और योजनाओं के माध्यम से सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर कामठी स्कूल रेडक्रॉस दल की जागरूकता रैली

पंडरिया/कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कामठी में आज रेड क्रॉस प्रभारी व्याख्याता राजेश शर्मा के नेतृत्व में रेड क्रॉस दल के विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। विद्यार्थियों ने रैली के माध्यम से लोगों को पेड़ लगाएँ, पर्यावरण बचाएँ और प्रकृति की रक्षा करें का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान विद्यालय परिसर में चंदन के पौधे का रोपण कर हरियाली एवं प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया गया। रेड क्रॉस दल के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को प्रेरणादायी और सार्थक बना दिया। इस अवसर पर व्याख्याता रामनाथ राजपूत, मनोज कुमार, आदित्य, हीरालाल छापरिया,तुलस चंद्राकर, कोमल प्रसाद धृत लहरे सहित रेड क्रॉस दल के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वन विभाग के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वन विभाग के शहीदों की स्मृति में 11 सितंबर को शहीद स्मारक दिवस मनाया गया। इसी कड़ी में गरियाबंद वन विभाग परिसर स्थित शहीद स्मारक में अधिकारियों और कर्मचारियों ने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान शहीद स्मारक पर पूजा-अर्चना कर शहीदों को नमन किया गया। वर्दीधारी जवानों और कर्मचारियों ने शहीदों को सलामी दी। इस अवसर पर शहीद परिवार का सम्मान भी किया गया। वन विभाग के शहीद मधुसूदन पाटिल वनपाल के रूप में वन परिक्षेत्र नवागढ़ में सहायक परिक्षेत्र अधिकारी, दर्रीपारा के पद पर पदस्थ थे। घने जंगलों के बीच अपनी ड्यूटी निभाते हुए उन्होंने नक्सलियों की हिंसक वारदात का सामना किया। वन और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए 21 मार्च 2011 को नक्सलियों के हाथों वीरगति को प्राप्त हुए। उन्होंने अंतिम सांस तक अपने कर्तव्यों से समझौता नहीं किया और वन सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। शहीद मधुसूदन पाटिल के बलिदान को याद करते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा उनके नाम से सम्मान भी प्रदान किया गया। रायपुर के दीनदयाल ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री द्वारा शहीद मधुसूदन पाटिल के नाम से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शहीद स्मारक दिवस का आयोजन उन सभी वनकर्मियों के बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जंगल, वन्यजीव और प्राकृतिक संपदा की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर हर घर आशीर्वाद का दिया जलाने का आव्हान

भाजपा जिला अध्यक्ष ने मैनपुर के साप्ताहिक बाजार में दीये की खरीदी की

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा, समर्पण एवं जनभागीदारी के रूप में मनाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे "सेवा संकल्प अभियान" को लेकर भाजपा जिला गरियाबंद के अध्यक्ष अनिल चंद्राकर बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा के दो दिवसीय प्रवास पर हैं।

इसीक्रम में सोमवार को श्री चंद्राकर मैनपुर पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा मंडल मैनपुर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से भेंट कर अभियान की तैयारियों एवं संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को "आशीर्वाद का दिया" भेंट करते हुए आगामी 17 सितंबर 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर हर घर आशीर्वाद का दिया जलाने का आव्हान किया।

श्री चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा एवं राष्ट्रसेवा की यात्रा देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके जन्मदिवस को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ मनाना हम सभी का संकल्प होना चाहिए।

उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि "आशीर्वाद का दिया" अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और अधिक से अधिक परिवारों को इससे जोड़ते हुए 17 सितंबर को हर घर में आशीर्वाद का दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री के प्रति जनता का स्नेह एवं आशीर्वाद व्यक्त करें।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से कहा कि संगठन की शक्ति कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनभागीदारी से बढ़ती है। सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा एवं समर्पण के साथ जुटें और प्रधानमंत्री जी के सेवा एवं राष्ट्रनिर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएं। जिला मंत्री सुरेन्द्र सोनटेके, मंडल अध्यक्ष संतोष यादव, जिला महामंत्री युवा मोर्चा नंदकिशोर चौबे, दिनेश सचदेव, घनश्याम मरकाम , रितेश यादव , मनोज निर्मलकर, हरीश यादव, रोहित नायक सहित कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे।

फील्ड में जाकर स्कूलों का विजिट करें सभी बीईओ और बीआरसी : कलेक्टर

रायपुर। अम्बिकापुर कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने शनिवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक ली। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री रोमा श्रीवास्तव, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा, सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने विद्यालयों में स्वच्छता अभियान, ड्राइंग एवं निबंध प्रतियोगिता सहित गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी बीईओ एवं बीआरसी को नियमित रूप से स्कूलों का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था, शिक्षकों की उपस्थिति और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की जानकारी लेने के निर्देश दिए। अनधिकृत रूप से लंबे समय से अनुपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों का वेतन नियमानुसार रोकने कहा।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले का कोई भी विद्यालय एकल शिक्षकीय व्यवस्था में संचालित न हो। आवश्यकतानुसार शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। पंचायत एजेंसी के माध्यम से शिक्षा विभाग के लंबित निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में किचन शेड निर्माण के लिए एस्टीमेट तैयार करने तथा जहां किचन शेड उपलब्ध हैं, वहां आवश्यक कार्य प्रारंभ करने कहा। मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने भवनविहीन, विद्युतविहीन एवं पेयजल विहीन विद्यालयों की सूची उपलब्ध कराने कहा। डिस्मेंटल योग्य भवनों की सूची तैयार करने तथा आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए।बैठक में गणवेश, पाठ्यपुस्तक, छात्रवृत्ति, गैस कनेक्शन एवं शिक्षकों की सेवा पुस्तिका अद्यतन करने की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने छात्रवृत्ति फॉर्म भरने की प्रक्रिया सितंबर माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शहीद विनोद चौबे सम्मान से सम्मानित मोहम्मद अकरम खान का गरियाबंद जिला वॉलीबॉल फेडरेशन ने किया सम्मान

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। गरियाबंद जिला वॉलीबॉल फेडरेशन के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ वॉलीबॉल संघ के सचिव हेम प्रकाश नायक, उपाध्यक्ष अकरम ख़ान और को-सह सचिव नितिन पांडे से सौजन्य भेंट की। इस दौरान गरियाबंद जिला वॉलीबॉल फेडरेशन के विस्तार, नई बॉडी के गठन और जिले में वॉलीबॉल की गतिविधियों को और व्यापक स्तर पर ले जाने को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

बैठक में गरियाबंद में ऑल इंडिया वॉलीबॉल टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना सहित खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराने, नियमित प्रतियोगिताओं के आयोजन और जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

राज्य अलंकरण समारोह 2026 में छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव मोहम्मद अकरम खान को शहीद विनोद चौबे सम्मान से सम्मानित किए जाने पर गरियाबंद जिला वॉलीबॉल फेडरेशन के पदाधिकारियों ने उनके निवास पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका सम्मान किया। पदाधिकारियों ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और खेल के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की।

गांवों से निकलकर नेशनल स्तर तक पहुंच रही प्रतिभाएं : हेम प्रकाश नायक

छत्तीसगढ़ वॉलीबॉल संघ के सचिव हेम प्रकाश नायक ने कहा कि गरियाबंद जैसे जिले और छोटे-छोटे गांवों से खिलाड़ियों का निकलकर नेशनल स्तर तक पहुंचना बेहद खुशी और गर्व की बात है। यह बताता है कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत सिर्फ इन

प्रतिभाओं को सही मंच, प्रशिक्षण और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की है। उन्होंने कहा कि गरियाबंद जिला वॉलीबॉल फेडरेशन द्वारा लगातार टूर्नामेंट और खेल गतिविधियों का आयोजन किया जाना सराहनीय है। जिला स्तर पर बड़े आयोजन होने से खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है और उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है। यदि गरियाबंद में लगातार बड़े टूर्नामेंट आयोजित होते रहें तो जिले और आसपास के क्षेत्रों से निश्चित रूप से कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आएंगे।

ऑल इंडिया टूर्नामेंट से गरियाबंद को मिलेगी नई पहचान : अकरम ख़ान

छत्तीसगढ़ वॉलीबॉल संघ के उपाध्यक्ष अकरम ख़ान ने कहा कि आज खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं के लिए बेहतर करियर का महत्वपूर्ण जरिया भी बन चुका है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के खिलाड़ी अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे में गांव और जिला स्तर से ही खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का माहौल उपलब्ध कराना जरूरी है।

उन्होंने गरियाबंद जिला वॉलीबॉल फेडरेशन के पदाधिकारियों को आगामी बड़े आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऑल इंडिया वॉलीबॉल टूर्नामेंट जैसे आयोजन से गरियाबंद को खेल के नक्शे पर नई पहचान मिलेगी। स्थानीय खिलाड़ियों को देशभर से आने वाले खिलाड़ियों के साथ खेलने और उनसे सीखने का अवसर मिलेगा। खेल संगठनों, खिलाड़ियों और समाज के सामूहिक प्रयासों से ही प्रदेश में वॉलीबॉल को नई ऊंचाई दी जा सकती है। बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ वॉलीबॉल संघ के सह सचिव नितिन पांडे सहित गरियाबंद जिला वॉलीबॉल फेडरेशन के पदाधिकारियों ने भी जिले में वॉलीबॉल के विस्तार और आगामी आयोजनों को लेकर अपने सुझाव रखे। इस अवसर पर गरियाबंद जिला वॉलीबॉल फेडरेशन के जीडी उपासने, हरमेश चावड़ा, विजय सिन्हा, प्रकाश सरवैया, छगन यादव, इमरान मेमन, प्रकाश सोनी, ललित साहू, नमन सेन, नरेंद्र साहू, मलय निर्मलकर, संतोष यादव, प्रहलाद यादव, गौतम गुप्ता, कन्हैया कश्यप, मोनू सिन्हा समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सिरकट्टी आश्रम धाम में करोड़ों के विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण विधायक रोहित साहू के हाथों सम्पन्न

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। ग्राम पंचायत कुटेना स्थित प्रसिद्ध सिरकट्टी आश्रम धाम एवं गुरुकुल परिसर में विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण धार्मिक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजिम विधायक श्री रोहित साहू, अध्यक्षता महामंडलेश्वर संत सिया गोवर्धन शरण महाराज, जिला पंचायत सभापति श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी, भाजपा जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू, जनपद उपाध्यक्ष कुलेश्वर सोनवरी, मंडल अध्यक्ष सुमित पारख, प्रदेश साहू संघ उपाध्यक्ष भुवनेश्वर साहू, सरपंच श्रीमती गणेशी दिवान सहित जनप्रतिनिधि, संत समाज एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सिरकट्टी आश्रम धाम में करीब 50 लाख रुपए की लागत से बनने वाले समरसता भवन, मुख्य मार्ग से आश्रम धाम तक 30 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड तथा आश्रम परिसर में 15 लाख रुपए की लागत से निर्मित टीना शेड का लोकार्पण किया गया। वहीं ग्राम कुटेना में 28.51 लाख रुपए की लागत से बनने वाले उपस्वास्थ्य केंद्र तथा शीतला मंदिर के पास 10 लाख रुपए की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन सहित विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

श्रीरामचरित मानस के प्रचार-प्रसार में सिरकट्टी आश्रम की महत्वपूर्ण भूमिका : रोहित साहू

राजिम विधायक श्री रोहित साहू ने कहा कि सिरकट्टी आश्रम धाम केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र है। श्रीरामचरित मानस के प्रचार-प्रसार और मानस संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने में इस आश्रम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस आश्रम के माध्यम से श्रीरामचरित मानस का प्रचार-प्रसार पूरे प्रदेश में प्रमुखता से हुआ और आज प्रदेश के प्रत्येक गांव में मानस सम्मेलन एवं रामकथा जैसे आयोजन होना हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि गौसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में सिरकट्टी आश्रम द्वारा किया जा रहा

कार्य हम सभी के लिए गर्व की बात है। यहां लगभग 400 बच्चों के लिए आवासीय गुरुकुल संचालित होना सनातन संस्कृति, संस्कार और शिक्षा के संरक्षण की दिशा में बड़ा कार्य है।

विधायक श्री साहू ने कहा कि प्राचीन भारत में गुरुकुल हमारी शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला हुआ करते थे। गांव-गांव में गुरुकुल के माध्यम से बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन, सेवा और संस्कृति का ज्ञान दिया जाता था। आज सिरकट्टी आश्रम उसी गौरवशाली गुरुकुल परंपरा को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। आधुनिक शिक्षा के साथ हमारी नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

गुरुकुल संस्कार और संस्कृति की पाठशाला : महामंडलेश्वर गोवर्धन शरण

महामंडलेश्वर संत सिया गोवर्धन शरण महाराज ने कहा कि सिरकट्टी आश्रम धाम वर्षों से धर्म, सेवा, संस्कार, गौसेवा एवं शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। गुरुकुल के माध्यम से बच्चों को शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों का संस्कार दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जब से विधायक रोहित साहू क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, तब से सिरकट्टी आश्रम के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। आश्रम में हो रहे विकास कार्यों से श्रद्धालुओं, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी और आश्रम की गतिविधियों को भी और विस्तार मिलेगा।

उन्होंने कहा कि श्रीरामचरित मानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और भारतीय संस्कारों का मार्गदर्शक है। मानस के संदेश को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

कार्यक्रम में टीकम साहू, प्रेमलाल साहू, डोमार साहू, गौतम शर्मा,रेखा साहू,तारा साहू,कलीराम साहू,नागेंद्र साहू,हेमंत निर्मलकर,लोचन साहू,मुन्नालाल देवदास, सहित अन्य प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने आश्रम की धार्मिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों की सराहना करते हुए विकास कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद पाकिस्तान के सलमान अली आगा का करारा जवाब, ठोक दिया तिहरा शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड दौरे से अचानक घर भेजे जाने के करीब दो हफ्ते बाद पाकिस्तान के सलमान अली आगा ने बल्ले से ऐसा जवाब दिया, जिसने उनके आलोचकों का ध्यान खींच लिया। टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद आगा ने शानदार तिहरा शतक ठोक दिया है। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वापसी करते हुए प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी में नाबाद तिहरा शतक जड़कर अपने करियर की सबसे बड़ी पारी खेली।

ESPNCricinfo की रिपोर्ट के मुताबिक, किंग्समेन एकेडमी की ओर से खेलते हुए सलमान आगा ने एबटाबाद क्रिकेट स्टेडियम में मार्कहोर IT सॉल्यूशंस के खिलाफ 336 गेंदों पर नाबाद 300 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने अपना पिछला सर्वश्रेष्ठ फर्स्ट क्लास स्कोर 169 रन को काफी पीछे छोड़ दिया। उनकी इस शानदार पारी की बदौलत किंग्समेन एकेडमी ने 7 विकेट पर 565 रन बनाकर पारी घोषित की।

आगा के लिए यह पारी ऐसे समय आई है, जब हाल के दिनों में इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। पिछले तीन टेस्ट मैचों की पांच पारियों में वह केवल 45 रन बना सके थे। इसके बाद लॉर्ड्स टेस्ट के लिए उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। इतना ही नहीं, इंग्लैंड में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें सात अन्य खिलाड़ियों के साथ दौरे से भी वापस भेज दिया गया था।

इंग्लैंड दौरे पर आगा ने पहले टेस्ट में कप्तानी भी की थी। हेडिंग्ले में बाबर आजम के चोटिल होने के कारण उन्होंने टीम की कमान संभाली, लेकिन लॉर्ड्स टेस्ट में बाबर की वापसी के बाद वह प्लेइंग इलेवन से बाहर हो गए। अपनी इस शानदार पारी के बाद आगा ने माना कि इंटरनेशनल क्रिकेट में खराब फॉर्म से निकलने के लिए उन्होंने अपनी बल्लेबाजी में कुछ बदलाव किए।

बता दें, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में टेस्ट और टेस्ट-ODI स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों के लिए घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट को अनिवार्य किया है। टेस्ट स्पेशलिस्ट कैटेगिरी के खिलाड़ियों को साल में कम से कम 6, जबकि टेस्ट और ODI स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों को कम से कम चार फर्स्ट क्लास मैच खेलने होंगे। आगा ने पिछले तीन सालों में सिर्फ तीन फर्स्ट क्लास मैच खेले थे। 300 रन की इस नाबाद पारी के दौरान आगा ने मोहम्मद सुलेमान के साथ चौथे विकेट के लिए 274 रन की बड़ी साझेदारी की। आगा ने इस यादगार पारी को अपने परिवार को समर्पित किया।

अभिषेक शर्मा ने कर ली रोहित शर्मा की बराबरी पहले ओवर में एक छक्का और बन जाएगा रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने जबरदस्त खेल दिखाया है। पारी की शुरुआत में ही अभिषेक ने जिस तरह की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की, उससे जल्द ही मैच एक तरफा हो गया था। उन्होंने पहले ओवर में ही फजलहक फारुखी को छक्का लगाया, इसके साथ ही उन्होंने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की बराबरी कर ली। अब जैसे ही वे पहले ओवर में एक और सिक्स लगाएंगे उनसे आगे निकल जाएंगे।

टीम इंडिया के टी20 इंटरनेशनल में पहले ओवर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अभी तक रोहित शर्मा के नाम था, लेकिन अब अभिषेक उनके बराबर आ गए हैं। रोहित शर्मा ने जहां एक ओर पहले ओवर में 401 बॉल खेलकर 12 छक्के लगाए थे, वहीं अभिषेक शर्मा ने केवल 152 बॉल पर ही 12 छक्के लगाकर पूर्व कप्तान की बराबरी करने में कामयाबी हासिल कर ली है। यही दो भारतीय बल्लेबाज हैं, जिन्होंने पारी के पहले ओवर में 10 से अधिक सिक्स लगाए हैं। ईशान किशन 8 छक्के लगाकर तीसरे और संजू सैमसन सात छक्के लगाकर चौथे नंबर पर हैं।

मुकाबले में पहले बैटिंग के लिए उतरी अफगानिस्तान की टीम ने 20 ओवर में केवल 156 रन ही बनाए थे। अभिषेक शर्मा के जोड़ीदार संजू सैमसन तो केवल दस रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन उन्हें ईशान किशन का अच्छा साथ मिला। अभिषेक ने अपनी पारी के दौरान केवल 32 बॉल पर 82 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। उन्होंने सात चौके और सात छक्के ठोके। उनका स्ट्राइक रेट 256.25 का रहा। उन्होंने अकेले ही अफगानिस्तान के छक्के छुड़ा दिए।

तीसरे नंबर पर आए ईशान किशन ने भी 33 बॉल पर 42 रन बनाए। केवल 158 रन बनाने के लिए उतरी टीम इंडिया ने अभिषेक शर्मा का विकेट जब खोया, तब तक टीम 139 रन बना चुकी थी, यानी जीत करीब करीब तय हो चुकी थी। बाद में ईशान किशन, कप्तान श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा ने जरूरी रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचा ही दिया। अब देखना होगा कि इसी सीरीज के मैच में पारी की पहले ओवर में एक और छक्का लगाकर अभिषेक शर्मा रोहित से आगे निकलते हैं या फिर कुछ और दिन का इंतजार करना पड़ता है।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अमेरिका के शेल्टन को हराकर जीता US ओपन 2026 का खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलेक्जेंडर ज्वेरेव के लिए टेनिस करियर का शानदार दौर जारी है। जर्मनी के ज्वेरेव ने रविवार को US ओपन के फाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 7-6 (2), 5-7, 6-2 से हराकर अपने करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम किया। न्यूयॉर्क में घरेलू दर्शकों की उम्मीदें 23 साल के शेल्टन पर टिकी थीं। अमेरिका को उम्मीद थी कि एंडी रॉडिक के 2003 में US ओपन जीतने के बाद पहली बार कोई अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतेगा। हालांकि, ज्वेरेव ने शानदार खेल दिखाते हुए शेल्टन और उनके फैंस की उम्मीदों को तोड़ दिया। इससे पहले एलेना रिबाकिना ने महिला सिंगल्स के फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका को हराकर US ओपन का खिताब जीता।

ज्वेरेव के लिए यह साल किसी सपने से कम नहीं रहा है। उन्होंने इस साल अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब फ्रेंच ओपन में जीता था और अब न्यूयॉर्क में भी ट्रॉफी अपने नाम कर ली। खास बात यह है कि 2020 में US ओपन के फाइनल में मिली दर्दनाक हार के बाद ज्वेरेव ने आखिरकार इस टूर्नामेंट का खिताब भी जीत लिया।

ज्वेरेव पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में नंबर-1 सीड के तौर पर उतरे थे और उन्होंने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। शेल्टन अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में शुरुआत से ही दबाव में नजर आए। पहले सेट में उन्होंने शुरुआती गेम में डबल फॉल्ट किया और ज्वेरेव को बढ़त बनाने का मौका दे दिया। ज्वेरेव ने पहले सेट में मिली बढ़त को अंत तक बनाए रखा। शेल्टन ने दूसरे सेट में वापसी की कोशिश की, लेकिन ज्वेरेव ने टाई-ब्रेक में लगभग परफेक्ट प्रदर्शन करते हुए इसे 7-2 से अपने नाम कर लिया।

तीसरे सेट में शेल्टन ने आखिरकार मुकाबले में वापसी की और 7-5 से सेट जीतकर उम्मीद जगाई। स्टेडियम में मौजूद अमेरिकी दर्शकों ने उनका जोरदार समर्थन किया।

आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम को सुनाई सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम को कड़ी और बड़ी सजा सुनाई है। हाल ही में टीम को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था। पहले तो टीम को हार मिली, उसके बाद अब आईसीसी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका से 11 और अंक काट लिए हैं। इतना ही नहीं, सभी खिलाड़ियों की मैच फीस से भी 50 प्रतिशत की कटौती की गई है।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम पिछले दिनों इंग्लैंड से तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही थी। सीरीज के तीन के तीन मैच पाकिस्तानी टीम हार गई और उसका सूपड़ा साफ हो गया। इसके बाद अब आईसीसी ने एक और सख्त सजा सुनाई है। टीम को स्लो ओवर रेट की डबल पेनाल्टी लगाई गई है। आईसीसी के अनुसार एजबेस्टन में खेले गए पहले मुकाबले की पहली पारी में टीम ने तय समय में करीब 11 ओवर कम फेंके थे। आईसीसी के डब्ल्यूटीसी के नियमों के अनुसार एक ओवर कम फेंकने पर एक अंक और 5 प्रतिशत मैच फीस काटी जाती है। यानी टीम के 11 अंक कट गए हैं और सभी प्लेयर्स की 50 प्रतिशत मैच फीस भी काटी गई है।

इस बीच 11 अंक कटने के बाद आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पाकिस्तान का पीसीटी केवल 4.63 ही रह गया है। टीम फाइनल की रेस तो पहले ही बाहर थी, लेकिन कुछ समीकरण और सिनेरियो बन रहे थे, वो भी अब खत्म हो गई हैं। पहले टीम का पीसीटी 14.81 का था। टीम के आगामी शेड्यूल की बात करें तो इसी साल नवंबर में श्रीलंका की टीम दो टेस्ट मैचों के लिए पाकिस्तान आ रही है।

इसके बाद अगले साल न्यूजीलैंड की टीम पाकिस्तान के दौरे पर आएगी। हालांकि हार जीत से अब पाकिस्तान की सेहत पर कोई ज्यादा असर नहीं होगा।

विवादों से भरा रहा है पाकिस्तान का इंग्लैंड दौरा

इंग्लैंड का दौरा पाकिस्तान के लिए विवादों से भरा रहा है। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले दो मैच हारने के बाद ही टीम ने अपने सात खिलाड़ियों को स्क्वाड से बाहर कर दिया था। उन्हें घर वापसी का आदेश जारी किया गया था। उनकी जगह तीन नए खिलाड़ी अचानक टीम में शामिल कर लिए गए थे। हालांकि करीब आधी टीम बदलने के बाद भी कोई असर नहीं हुआ और तीसरे मैच में भी उसे हार का ही मुंह देखना पड़ा।

व्यापार

अगस्त में बढ़कर 9.92% हुई थोक महंगाई दर पेट्रोलियम और बिजली की कीमतों में भारी बढ़ोतरी

मुंबई (एजेंसी)। खाने-पीने की चीजों, विनिर्मित वस्तुओं, पेट्रोलियम और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से अगस्त में देश की थोक महंगाई दर बढ़कर 9.92 प्रतिशत हो गई। ये जुलाई में 9.78 प्रतिशत थी। अगस्त लगातार चौथा महीना रहा, जब देश की थोक महंगाई दर 10 प्रतिशत के करीब बनी हुई है। रविवार को जारी हुए सरकारी आंकड़ों से ये जानकारी मिली है।

खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर बढ़कर हुई 7.05%

इस दौरान, खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर बढ़कर 7.05% हो गई, जो पिछले महीने जुलाई में 6.65% थी। इसके अलावा, अगस्त में विनिर्मित वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति 8.37 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जो जुलाई में 8.29 प्रतिशत थी। वहीं पेट्रोलियम और बिजली में थोक महंगाई दर तेजी से बढ़कर 22.93 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 20.05% थी।

अगस्त 2026 में थोक महंगाई बढ़ने के प्रमुख कारण

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने थोक महंगाई दर के आंकड़े जारी करते हुए कहा, "विभिन्न समूहों में खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों वाले), खाद्य वस्तुएं, खाद्य उत्पादों का विनिर्माण, बुनियादी धातुओं का विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुएं तथा रसायनों और रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण अगस्त 2026 में थोक मुद्रास्फीति बढ़ने के प्रमुख कारण रहे।"

पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव की वजह से महंगा हुआ कच्चा तेल

बताते चलें कि चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही थोक मूल्य सूचकांक (WPI) आधारित महंगाई दर में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव और इसके कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते होने वाली सप्लाई में बाधा आने से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और उर्वरक की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर काफी निर्भर है भारत

भारत में आयात होने वाले ज्यादातर कच्चे तेल की आवाजाही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होती है और इसका सीधा असर खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर भी पड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (MPC) ने पिछले महीने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर ही स्थिर रखा था। MPC ने अल नीनो की स्थिति के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून के कमजोर और असमान रहने का हवाला देते हुए 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान 5 प्रतिशत रखा था।

पोस्ट ऑफिस में 365 दिन की FD पर कितना मिलेगा ब्याज ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोस्ट ऑफिस देश के नागरिकों को डाक सेवाओं के साथ ही कई तरह की बैंकिंग सेवाएं भी प्रदान करता है। पोस्ट ऑफिस में कई तरह के बचत खाते खोले जाते हैं। इतना ही नहीं, देश के आम लोगों के बीच पोस्ट ऑफिस की बचत योजनाएं काफी पॉपुलर भी हैं। देश का एक बड़ा वर्ग आज भी पोस्ट ऑफिस की योजनाओं पर आंख मूंदकर भरोसा करता है, क्योंकि यहां ग्राहकों के पैसों को सीधे-सीधे भारत सरकार की सुरक्षा मिलती है। यहां हम जानेंगे कि पोस्ट ऑफिस में 365 की एफडी पर कितना ब्याज मिल रहा है? बैंकों की तरह, पोस्ट ऑफिस में भी फिक्स्ड डिपोजिट (FD) खाते खोले जाते हैं। हालांकि, पोस्ट ऑफिस एफडी खातों को टीडी यानी टाइम डिपोजिट के नाम से चलाता है। टाइम डिपोजिट स्कीम पूरी तरह से बैंकों की एफडी स्कीम की तरह ही होती है। इसमें आपको सिर्फ एक बार पैसा जमा करना होता है और फिर मैच्योरिटी पर आपको फिक्स ब्याज के साथ पूरा पैसा वापस मिल जाता है। पोस्ट ऑफिस में 1 साल, 2 साल, 3 साल और 5 साल के लिए एफडी खाते खोले जाते हैं। पोस्ट ऑफिस अपने ग्राहकों को 365 दिन यानी 1 साल की एफडी स्कीम पर 6.90 प्रतिशत का ब्याज दे रहा है। पोस्ट ऑफिस यानी डाकघर में अलग-अलग अवधि वाले एफडी खातों पर 6.90 प्रतिशत से लेकर 7.50 प्रतिशत तक का ब्याज मिलता है। ग्राहकों को 5 साल की अवधि वाले एफडी खातों पर सबसे ज्यादा 7.50 प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन से रूस की रिफाइनरियों पर हमले रोकने को कहा, बोले- ईंधन की कमी हो रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से रूसी तेल रिफाइनरियों और डीजल के प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन में इस्तेमाल होने वाले अन्य इंफ्रा पर हमले रोकने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन हमलों से ईंधन की कमी पैदा हो रही है।

डोनाल्ड ट्रंप ने ये बयान शुक्रवार को अमेरिका में डीजल की कीमतों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद दिया, जब औसत कीमत 6 डॉलर प्रति गैलन से ज्यादा हो गई थी। यूक्रेन कई महीनों से लंबी दूरी के हमलों से रूस के तेल और गैस को निशाना बना रहा है, जिससे पूरे देश में ईंधन की कटौती करनी पड़ी और मॉस्को ने जुलाई में डीजल के निर्यात पर रोक लगा दी। रूस के इस फैसले से पहले से ही कमजोर पड़े वैश्विक बाजार से सप्लाई कम हो गई।

हालांकि, वैश्विक स्तर पर ईंधन संकट की एक वजह ईरान में युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते तेल की सप्लाई में आई बाधा भी रही। नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों की तैयारी के बीच ईंधन की कमी अमेरिका में प्रमुख मुद्दा बन गया है।

जेलेंस्की से रूस पर हमले रोकने का आग्रह

एक पत्रकार ने ट्रंप से पूछा कि क्या उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हालिया बातचीत के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात की है। इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने जेलेंस्की से रूस पर हमले रोकने का आग्रह किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, "जेलेंस्की को एक काम करना होगा। उन्हें रूस में डीजल के केंद्रों को नष्ट करना बंद करना होगा।" उन्होंने कहा, "हमने जेलेंस्की से इस बारे में बात की है। हमले में अन्य चीजों को भी निशाना बनाया जा सकता है। डीजल को निशाना मत बनाइए क्योंकि इससे नुकसान हो रहा है, इससे पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है।"

यूक्रेन के हमलों से बुरी तरह प्रभावित हो रही है रूस की घरेलू रिफाइनिंग क्षमता

बताते चलें कि यूक्रेन के हमलों के कारण रूस की घरेलू रिफाइनिंग क्षमता बुरी तरह से प्रभावित हुई, जिसके कारण पेट्रोलियम उत्पादों का आयात बढ़ाना पड़ा है। रूस ने इस साल अगस्त में रिकॉर्ड 1.72 लाख टन पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया है। CREA की रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त में रूस के तेल उत्पादों के कुल आयात में भारत की हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत रही।

103 डॉलर के करीब पहुंची कच्चे तेल की कीमतें, पिछले हफ्ते 9 प्रतिशत चढ़ा था भाव

मुंबई (एजेंसी)। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें 103 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गईं। मिडिल ईस्ट में सप्लाई से जुड़े जोखिम बढ़ने की वजह से पिछले हफ्ते कच्चे तेल के भाव में 9% से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई थी। जिसके बाद अब कच्चे तेल का मौजूदा भाव $103 प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है, जो 4 महीने का उच्चतम स्तर है।

सऊदी अरब ने ड्रोन हमलों के बाद ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन का कामकाज रोका

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने बताया कि सऊदी अरब ने ड्रोन हमलों के बाद अपनी मुख्य ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन का कामकाज रोक दिया है, जिससे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास एक अहम वैकल्पिक रास्ते में रुकावट आ गई है। ये पाइपलाइन लाल सागर के बंदरगाहों तक कच्चा तेल पहुंचाने में अहम भूमिका निभाती है और इसकी क्षमता लगभग 7 मिलियन बैरल रोजाना है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से अस्थायी शिपिंग कॉरिडोर बनाने को लेकर बातचीत टली

इसी बीच, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होकर एक अस्थायी शिपिंग कॉरिडोर बनाने को लेकर ईरान और खाड़ी देशों के बीच बातचीत टाल दी गई है। खबरों के अनुसार सऊदी अरब ने चिंता जताई है और बहरीन ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। इस पाइपलाइन के बंद होने से इसकी रणनीतिक अहमियत उजागर हुई, क्योंकि इस अहम शिपिंग रूट पर नियंत्रण को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बना हुआ है।

107 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचा Brent Cude का भाव

सोमवार को भारतीय समयानुसार सुबह करीब 11.00 बजे WTI Crude की कीमतें 2.71 प्रतिशत की बड़ी बढ़त के साथ 102.8 डॉलर प्रति बैरल पर थीं। इसके अलावा, Brent Cude का भाव भी 2.61 प्रतिशत की जोरदार तेजी के साथ 107.3 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। हालांकि, Murban Crude के दाम 2.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 119.5 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए थे।

कच्चे तेल की कीमतों में जारी तेजी का भारत पर सीधा और गहरा असर पड़ने की संभावना है। घरेलू शेयर बाजार आज गणेश चतुर्थी के मौके पर बंद हैं। अन्यथा, घरेलू शेयर बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जारी तेजी की वजह से आज भी गिरावट देखने को मिल सकती थी।

हल्दी की खेती से बढ़ रही फसल विविधता किसानों की आय में हो रही वृद्धि

रायपुर ■ दैनन्दिनी

कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और योजनाओं से प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन के साथ-साथ फसल विविधता को भी लगातार बढ़ावा मिल रहा है। उद्यानिकी फसलों की खेती को प्रोत्साहन मिलने से किसान अब पारंपरिक साग-सब्जी और फल उत्पादन के साथ मसाला फसलों की खेती में भी रुचि लेने लगे हैं। इससे प्रदेश में मसाला फसलों का क्षेत्र विस्तार होने के साथ किसानों के लिए आय के नए अवसर भी तैयार हो रहे हैं।

इसी दिशा में वर्ष 2026-27 में राज्य पोषित मद के अंतर्गत मसाला क्षेत्र विस्तार प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी द्वारा योजना के तहत हल्दी फसल के क्षेत्र विस्तार के लिए 1300 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 620 लाख रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। योजना के माध्यम से किसानों को मसाला फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में फसल विविधीकरण को गति मिल रही है।

योजना के क्रियान्वयन से किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ हल्दी जैसी मसाला फसलों की खेती का विकल्प मिल रहा है। इससे एक ओर किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाएं मजबूत हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर प्रदेश में मसाला फसलों के उत्पादन में वृद्धि से स्थानीय स्तर पर उपलब्धता बढ़ेगी।

हल्दी बीज की आपूर्ति एवं गुणवत्ता

हल्दी बीज की आपूर्ति को लेकर प्रसारित की जा रही भ्रामक जानकारियों के संबंध में स्थिति स्पष्ट करते हुए उद्यानिकी विभाग ने बताया है कि हल्दी बीज की आपूर्ति संचालनालय एवं जिला स्तर से नही की जाती है अपितु छ.ग. शासन, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के द्वारा जारी दिशा-निर्देश के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (क्ठज्) के माध्यम से किसानों को योजना अंतर्गत अनुदान का लाभ दिया जाता है। किसानों के द्वारा क्रय किए गये बीज के देयकों तथा अन्य अभिलेखों के परीक्षण एवं फसल के भौतिक सत्यापन के उपरांत ही अनुदान भुगतान की कार्यवाही की जाती है। वर्तमान में किसानों द्वारा क्रय किए गए बीज जिनपर अनुदान दिया जा रहा है वे पूर्ण रूप से स्वस्थ एवं उच्च गुणवत्तायुक्त होते है, इसके अंकुरण में भी किसी प्रकार की कोई समस्या नही है। विभाग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पात्र किसानों को आवश्यक सत्यापन के बाद ही अनुदान का लाभ दिया जा रहा है।

अभी तक योजना के तहत राशि 138 लाख रूपए का भुगतान किसानों के खाते में किया जा चुका है। इस योजना के क्रियान्वयन से फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा इसके साथ ही मसाला फसलों का क्षेत्र विस्तार तथा मसाला उद्योग से जुड़े व्यवसाय के लिए कच्चा माल उपलब्ध होगा और उद्योगों को भी लाभ होगा।

मसाला क्षेत्र विस्तार प्रोत्साहन योजना के माध्यम से प्रदेश में खेती को अधिक लाभकारी और विविधतापूर्ण बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। हल्दी सहित अन्य मसाला फसलों का क्षेत्र विस्तार होने से किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलेगा, स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा तथा प्रदेश में मसाला आधारित उद्योगों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता भी सुदृढ़ होगी। इस प्रकार उद्यानिकी क्षेत्र का विस्तार किसानों की समृद्धि के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की कृषि अर्थव्यवस्था को भी नई गति देने में सहायक बन रहा है।

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने बिलासपुर में कुम्हार से लिया मिट्टी का दीया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा को समर्पित होगा एक दीया: तोखन साहू

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बिलासपुर के कुम्हारपारा पहुँचकर कुम्हार भाई से मिट्टी का दीया लिया।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा को समर्पित इस अभियान के तहत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर प्रत्येक नागरिक से एक दीया जलाकर अपना स्नेह एवं शुभाशीष अर्पित करने का आह्वान किया। श्री साहू ने कहा कि "एक दीया उन 25 वर्षों के नाम, जिसने जीवन सँवारा—उसे आशीर्वाद हमारा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा, राष्ट्र के प्रति समर्पण और सेवा-संकल्प के सम्मान में यह अभियान जनभागीदारी का प्रतीक है। श्री साहू ने तखतपुर विधायक एवं वरिष्ठ नेता श्री धर्मजीत सिंह के

जन्मदिवस पर उनके विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बेलटुकरी पहुँचकर उन्हें आत्मीय बधाई एवं शुभकामनाएँ भी प्रेषित कीं। उन्होंने श्री धर्मजीत सिंह के सुदृढ़ नेतृत्व, स्पष्ट सोच एवं जनता से आत्मीय जुड़ाव की सराहना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर जनसेवा की कामना की।

बच्चों के बीच 'बच्चे' बने भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर, नन्हे भक्तों को भेंट की गणेश प्रतिमा

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर गरियाबंद भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर मैनपुर स्थित गणेश पंडाल पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान श्री गणेश की प्रतिमा लेने पहुंचे नन्हे बच्चों से मुलाकात की और उनके साथ गणेश उत्सव की खुशियां साझा की। जिला अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने बच्चों को भगवान श्री गणेश की प्रतिमा भेंट की, जिसे पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा कि भगवान श्री गणेश बच्चों के सबसे प्रिय देवताओं में से एक हैं। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ बप्पा की पूजा-अर्चना करें और गणेश उत्सव को

उत्साह एवं उमंग के साथ मनाएं। बच्चों के बीच पहुंचे भाजपा जिला अध्यक्ष का सहज और आत्मीय अंदाज सभी को पसंद आया। वे कुछ देर तक बच्चों के साथ घुल-मिलकर बातचीत भी की।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर मैनपुर सहित पूरे क्षेत्र में श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। गणेश पंडालों के साथ ही घर-घर में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। नन्हे भक्तों के बीच पहुंचकर गणेश प्रतिमा भेंट करने की पहल ने उत्सव की खुशियों को और बढ़ा दिया। गणेश प्रतिमा हाथ में आते ही बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान इस पूरे आयोजन का सबसे खूबसूरत दृश्य रही।

इस मौके पर भाजपा जिला मंत्री सुरेन्द्र सोनटेके, मंडल अध्यक्ष संतोष यादव, जिला महामंत्री युवा मोर्चा नंदकिशोर चौबे, दिनेश सचदेव, घनश्याम मरकाम, रितेश यादव, मनोज निर्मलकर, हरीश यादव, रोहित नायक सहित कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे।

लोरमी पुलिस ने चोर को गिरफ्तार कर 7 नग सायकल बरामद की

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिला मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल द्वारा जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों चोरी, लूट एवं नकबजनी के प्रकरणों में त्वरित वैधानिक कार्यवाही करने हेतु जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत शुक्ला एवं उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती माधुरी धिरही के मार्गदर्शन में लोरमी पुलिस को चोरी के प्रकरण में सफलता प्राप्त हुई।

प्रार्थी रोशन सिंह राजपूत पिता महेन्द्र सिंह राजपूत, निवासी वार्ड क्रमांक 09 मजगांव, थाना लोरमी, जिला मुंगेली द्वारा दिनांक 11.09.2026 को रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि वह जय इलेक्ट्रॉनिक दुकान, रानीगांव लोरमी में काम करता है। दिनांक 02.09.2026 को सुबह करीब 09:00 बजे वह अपनी साइकिल से दुकान में काम करने गया था। उसने अपनी साइकिल को जोतपुरी स्वीट्स के बगल में खड़ा किया था। शाम करीब 07:00

बजे काम से वापस लौटकर साइकिल लेने पहुंचा तो साइकिल वहां नहीं मिली। आसपास पता तलाश करने पर भी कोई जानकारी नहीं मिली। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना लोरमी में अपराध क्रमांक 389/26, धारा 303(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान लोरमी पुलिस द्वारा घटनास्थल की बारीकी से तस्दीक करते हुए बेसिक पुलिसिंग एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना तखतपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बीजा (दैजा) निवासी संदेही रमेश कुमार खुंटे को हिरासत में लेकर पूछताछ कर आरोपी द्वारा घटना दिनांक को साइकिल चोरी करना तथा अन्य स्थानों से भी कुल 06 अन्य साइकिल चोरी करना स्वीकार किया गया। आरोपी रमेश कुमार खूंटे के कब्जे से कुल 07 नग साइकिल 1. ब्रीज कंपनी की हरे रंग की 22 इंच साइकिल 2. हीरो कंपनी की हरे रंग की 22 इंच साइकिल 3. हीरो कंपनी की हरे रंग की साइकिल 4. हरे रंग की पुरानी साइकिल 5. लाल रंग की रेंजर साइकिल 6. ब्लास्टर कंपनी की लाल रंग की रेंजर साइकिल 7. लाइनर कंपनी की हरे रंग की रेंजर साइकिल को जप्त कर आरोपी रमेश कुमार खुंटे पिता स्व. छोटू खुंटे, उम्र 52 वर्ष, निवासी बीजा (दैजा), थाना तखतपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.) के विरुद्ध अपराध घटित करना प्रमाणित पाए जाने पर दिनांक 12.09.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया गया। निरीक्षक अखिलेश कुमार वैष्णव (थाना प्रभारी लोरमी), दयाल गवास्कर, राजू साहू, रेखराम नेताम, युगल किशोर उपाध्याय एवं ईश्वर मरावी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गणेशोत्सव में बस्तर की महिलाओं का कमाल

इको-फ्रेंडली मूर्तियां बेचकर कमाए 1.80 लाख रुपये

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ के बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड स्थित तारापुर गांव की महिलाओं ने अपनी लगन और हुनर से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। 'मिट्टी के गणेश मूर्ति निर्माण सिद्धि स्व सहायता समूह' की ग्रामीण महिलाओं ने इस गणेश चतुर्थी पर पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) प्रतिमाएं बनाकर महज कुछ हफ्तों में 1.80 लाख रुपये की बंपर कमाई की है।

शांति नागवंशी, दसो भारती और रोमा नागवंशी के नेतृत्व में समूह की महिलाओं ने शुद्ध मिट्टी से बिना किसी हानिकारक केमिकल और कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल किए 52 मनमोहक गणेश प्रतिमाएं तैयार की थीं। बाजार में आते ही इन पर्यावरण-हितैषी मूर्तियों की भारी मांग देखने को मिली और पूरा स्टॉक हाथों-हाथ बिक गया।

समूह की सदस्य शांति नागवंशी ने खुशी जताते हुए कहती हैं कि अपनी मेहनत से गढ़ी मूर्तियों की पूजा होते देखना और स्वयं की कमाई हासिल करना उनके लिए किसी सपने के पूरा होने जैसा है। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग वे परिवार की जरूरतों को पूरा करने और बच्चों की शिक्षा में करेंगे।

सीमित संसाधनों के बीच शुरू हुई तारापुर की इन महिलाओं की यह पहल न केवल पूरे जिले में सराही जा रही है, बल्कि आसपास के क्षेत्रों की अन्य महिलाओं को भी आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दे रही है।

बैगा संस्कृति को सहेजने की अनूठी पहल बच्चों को मिला बीरन हस्तशिल्प का प्रशिक्षण

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले में विशेष संरक्षित बैगा जनजाति की प्राचीन और पारंपरिक कला 'बीरन हस्तशिल्प' को नई पहचान और आजीविका से जोड़ने का सिलसिला जारी है।

इसी कड़ी में वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार तथा जिला प्रशासन कबीरधाम के समन्वय से शासकीय आत्मानंद हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कवर्धा में 31 अगस्त से 2 सितंबर तक तीन दिवसीय कार्यात्मक प्रशिक्षण सह प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

ग्राम बांटीपथरा के आश्रित ग्राम छिंदपुर की प्रख्यात बैगा महिला शिल्पकार श्रीबाई बैगा ने स्कूली बच्चों को पारंपरिक 'बीरन माला' बनाने का व्यावहारिक और बारीकी से प्रशिक्षण दिया।

प्रकृति और संस्कृति का संगम है बीरन माला

बैगा समुदाय में 'बीरन' को प्रकृति और संस्कृति का अभूतपूर्व संगम माना जाता है। विशेष संरक्षित बैगा जनजाति के लोग हजारों वर्षों से इसका उपयोग अपने पारंपरिक श्रृंगार और सांस्कृतिक उत्सवों में करते आ रहे हैं।

यह अनूठी माला 'सूताखड़' नामक घांस और पारिजात वृक्ष की टहनी से तैयार की जाती है। अपनी अनूठी बनावट के कारण इसकी ख्याति देश सहित विदेशों में भी बढ़ रही है। हाल ही में आईपीएल (IPL) क्रिकेट खिलाड़ियों का स्वागत भी इसी पारंपरिक बीरन माला से किया गया था।

बच्चों ने दिखाई गहरी रुचि

कार्यशाला के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ बीरन हस्तशिल्प की कला को सीखा। प्रशिक्षण के दौरान चार बच्चों ने इसमें काफी हद तक दक्षता भी हासिल कर ली है। निरंतर मार्गदर्शन मिलने पर वे इसमें पूरी तरह दक्ष हो सकते हैं।

सांस्कृतिक संरक्षण के साथ आजीविका के नए आयाम

जिला प्रशासन कबीरधाम एवं स्थानीय संस्था ग्रामोदय बैगा समुदाय के साथ मिलकर बीरन हस्तशिल्प को संरक्षित करने में जुटे हैं।

इस तरह के आयोजनों से नई पीढ़ी अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे ईको-फ्रेंडली हस्तशिल्प आभूषण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थायी रोजगार और आजीविका के नए आयाम स्थापित होंगे।

भारत-जापान के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव को शिक्षा और तकनीक दे रहे नया विस्तार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

- जापान की एहिमे यूनिवर्सिटी के 17 सदस्यीय छात्र प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से की सौजन्य मुलाकात
- मुख्यमंत्री ने जापानी विद्यार्थियों से किया आत्मीय संवाद : छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से कराया परिचित
- सिरपुर सहित प्रदेश की समृद्ध विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में राज्य सरकार कर रही निरंतर प्रयास

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जापान की एहिमे यूनिवर्सिटी से आए 17 सदस्यीय छात्र प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। भारत-जापान इंटर एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर छत्तीसगढ़ पहुंचे विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री श्री साय ने आत्मीय संवाद किया। इस दौरान भारत और जापान के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों, बौद्ध विरासत, शिक्षा, अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, स्टार्टअप तथा दोनों देशों के युवाओं के बीच बढ़ते संवाद सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जापानी छात्र-छात्राओं का छत्तीसगढ़ की धरती पर आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि भारत और जापान की मित्रता की जड़ें दोनों देशों की प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत में गहराई से जुड़ी हुई हैं। समय के साथ यह संबंध संस्कृति और आध्यात्मिकता से आगे बढ़कर शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, नवाचार और आर्थिक सहयोग के अनेक क्षेत्रों तक विस्तृत हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और जापान आज परंपरा और आधुनिकता के सुंदर समन्वय के साथ विश्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और सम्मान की मजबूत नींव है। युवाओं तथा विद्यार्थियों के बीच इस प्रकार के शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान से यह संबंध आने वाली पीढ़ियों में और अधिक मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत भगवान बुद्ध की भूमि है। भगवान बुद्ध के शांति, करुणा, मैत्री और मानव कल्याण के संदेश ने दुनिया के अनेक देशों को प्रभावित किया और जापान की संस्कृति में भी बौद्ध दर्शन की गहरी छाप दिखाई देती है। यही साझा आध्यात्मिक विरासत भारत और जापान को एक विशिष्ट सांस्कृतिक सूत्र में जोड़ती है। उन्होंने जापानी विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध पुरातात्विक विरासत की जानकारी देते हुए सिरपुर, मैनपाट और भोंगापाल जैसे महत्वपूर्ण स्थलों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महानदी के तट पर स्थित सिरपुर छत्तीसगढ़ की प्राचीन सभ्यता, कला, स्थापत्य और बौद्ध विरासत का अद्भुत केंद्र है। यहां प्राप्त पुरातात्विक अवशेष प्रदेश के गौरवशाली इतिहास और विभिन्न संस्कृतियों के समन्वय की कहानी बताते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक, पुरातात्विक और सांस्कृतिक धरोहर को देश-दुनिया में नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सिरपुर को विश्वस्तरीय ऐतिहासिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में भी योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि दुनिया के विभिन्न देशों से आने वाले विद्यार्थी, शोधार्थी और पर्यटक छत्तीसगढ़ आएं, यहां की विरासत को जानें और प्रदेश के साथ ज्ञान एवं संस्कृति का एक स्थायी संबंध स्थापित करें।

मुख्यमंत्री ने साझा किए जापान यात्रा के अनुभव

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपनी जापान यात्रा से जुड़े अनुभव भी विद्यार्थियों के साथ साझा किए। उन्होंने जापान की अनुशासित कार्यसंस्कृति, तकनीकी प्रगति और अपनी परंपराओं के प्रति सम्मान की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान ने आधुनिक विज्ञान और तकनीक में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान को जिस प्रकार सहेजकर रखा है, वह प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि भारत भी अपनी हजारों वर्ष पुरानी सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों को साथ लेकर आधुनिक तकनीक, नवाचार और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में भारत और जापान के युवाओं के बीच बढ़ता संवाद दोनों देशों के भविष्य के संबंधों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शिक्षा और तकनीक से खुलेंगी सहयोग की नई संभावनाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है और ज्ञान, अनुसंधान, नवाचार तथा तकनीक विकास के सबसे महत्वपूर्ण आधार बन गए हैं। भारत और जापान के शैक्षणिक संस्थानों के बीच बढ़ता सहयोग विद्यार्थियों को नई तकनीकों, शोध और नवाचार से जुड़ने के अवसर उपलब्ध करा सकता है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एहिमे यूनिवर्सिटी और छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षण एवं तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों के बीच संवाद से भविष्य में संयुक्त अनुसंधान, तकनीकी सहयोग, स्टार्टअप और इनोवेशन के नए अवसर विकसित हो सकते हैं। ऐसे कार्यक्रम दो देशों के बीच केवल संस्थागत संबंध ही नहीं बनाते, बल्कि युवाओं के बीच मित्रता और आपसी समझ का मजबूत आधार भी तैयार करते हैं।

छत्तीसगढ़ की आत्मीयता से प्रभावित हुए जापानी विद्यार्थी

जापानी छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के साथ अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के अनुभव भी साझा किए। विद्यार्थियों ने बताया कि रायपुर में उन्हें अत्यंत आत्मीय अनुभव हुआ। यहां की संस्कृति, परंपराओं और लोगों के सहज एवं आत्मीय व्यवहार ने उन्हें विशेष रूप से प्रभावित किया।

एनआईटी रायपुर के स्टार्टअप और तकनीकी नवाचारों में दिखाई विशेष रुचि

छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान जापानी छात्र प्रतिनिधिमंडल ने एनआईटी रायपुर के विभिन्न रिसर्च सेंटरों और इन्क्यूबेशन सेंटर का भी भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने वहां संचालित स्टार्टअप की गतिविधियों, अनुसंधान परियोजनाओं और विकसित की जा रही नई तकनीकों की जानकारी ली। विशेष रूप से ऐसे स्टार्टअप ने जापानी विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित किया, जो तकनीक के माध्यम से आम लोगों की दैनिक समस्याओं के व्यावहारिक समाधान विकसित कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने इन नवाचारों की सराहना करते हुए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, अनुसंधान और नवाचार आधारित सहयोग की संभावनाओं में रुचि दिखाई। उल्लेखनीय है कि भारत-जापान इंटर एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत एहिमे यूनिवर्सिटी का 17 सदस्यीय छात्र प्रतिनिधिमंडल तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर छत्तीसगढ़ आया है। प्रतिनिधिमंडल ने अपने प्रवास के दौरान एनआईटी रायपुर के विभिन्न रिसर्च सेंटरों का भ्रमण किया और शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा लिया। प्रतिनिधिमंडल के भ्रमण कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और पुरातात्विक विरासत को समझना भी शामिल है। इसी क्रम में छात्र प्रतिनिधिमंडल ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर का भ्रमण करेगा। यहां विद्यार्थी छत्तीसगढ़ की प्राचीन बौद्ध विरासत, स्थापत्य, कला और सांस्कृतिक इतिहास को करीब से जानेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों को छत्तीसगढ़ प्रवास के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की यात्राएं दो देशों की नई पीढ़ी को एक-दूसरे की संस्कृति, उपलब्धियों और संभावनाओं से परिचित कराती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत और जापान के युवाओं के बीच यह संवाद भविष्य में मित्रता, ज्ञान, नवाचार और साझी प्रगति के नए अध्याय लिखेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, एनआईटी रायपुर के प्रोफेसर श्री दिलीप सिंह सिसोदिया, डॉ. समीर बाजपेयी, आईआईटी हैदराबाद के प्रोफेसर सी.के. मोहन, उद्योग विभाग के अतिरिक्त संचालक श्री संजय गजघाटे, उपसंचालक श्री अमय त्रिपाठी, चिप्स के ज्वाइंट सीईओ श्री अनुपम आशीष टोप्पो सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा और समर्पण के 25 वर्षों की प्रेरक यात्रा को जन-जन तक पहुंचाएगा 'सेवा संकल्प अभियान'

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित "सेवा और समर्पण के 25 वर्ष रू सेवा संकल्प अभियान-2026" के तहत वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में सहभागिता की। बैठक में मंत्री श्री दयालदास बघेल, मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, अभियान के संयोजक, सह-संयोजक एवं सदस्यों के साथ 'सेवा की कहानी' और 'सेवा मेरा योगदान' थीम को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्षों के सेवा, सुशासन और जनकल्याण की यात्रा देशवासियों के लिए प्रेरणादायी है। इस यात्रा के दौरान जनसेवा के माध्यम से समाज में आए सकारात्मक बदलावों और सेवा कार्यों की कहानियों को जन-जन तक पहुंचाना अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि 'सेवा की कहानी' के माध्यम से सेवा और जनकल्याण से जुड़े प्रेरक अनुभवों को सामने लाया जाएगा, वहीं 'सेवा मेरा योगदान' के माध्यम से नागरिकों को सेवा कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा। बैठक में दोनों थीम के अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले आगामी कार्यक्रमों, उनकी रूपरेखा, जनभागीदारी और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही अभियान को व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप देने के लिए सभी स्तरों पर समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया गया।

'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर ओपी चौधरी ने की वर्चुअल बैठक

रायपुर ■ दैनन्दिनी

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की जनसेवा और समर्पण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर वर्चुअल बैठक की। बैठक में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक एक माह चलने वाले अभियान के अंतर्गत 'कहानी सेवा की' थीम पर आधारित आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और तैयारियों पर चर्चा की गई।

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि "प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के जनसेवा और समर्पण के संदेश को लोगों तक पहुंचाना हमारा दायित्व है।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की यात्रा देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। इस यात्रा के प्रेरक प्रसंगों और सेवा कार्यों को जनभागीदारी के माध्यम से समाज तक पहुंचाना अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से सेवा और समर्पण की भावना को मजबूत करते हुए अधिक से अधिक लोगों को राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जोड़ा जाएगा। 'कहानी सेवा की' के तहत सेवा कार्यों, जनभागीदारी और समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को सामने लाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

वर्चुअल बैठक में सेवा थीम से संबंधित आगामी कार्यक्रमों, उनकी रूपरेखा, जनभागीदारी और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अभियान को व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप देने के लिए आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने पर भी जोर दिया गया।

प्रतिबंध के बावजूद चिकन बेचते मिला फूड सेंटर : निगम ने लगाया जुर्माना

रायपुर ■ दैनन्दिनी

श्रीगणेश चतुर्थी पर्व के अवसर पर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में मांस-मटन की बिक्री पर लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद चिकन बेचने का मामला सामने आया है। नगर निगम की स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए संबंधित दुकान संचालक पर 2 हजार का ई-जुर्माना लगाया और दुकान को तत्काल बंद करा दिया। जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेश के परिपालन में आज श्रीगणेश चतुर्थी के अवसर पर रायपुर नगर निगम के संपूर्ण क्षेत्र में मांस-मटन विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था।

प्रतिबंधित के बाद भी की जा रही थी बिक्री-इसके बावजूद नगर निगम जोन-9 क्षेत्र के कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड क्रमांक-7, विज्ञान केंद्र सड्डू के पीछे दलदलसिवनी-मोवा मार्ग स्थित गेलेक्सी फूड सेंटर में प्रतिबंधित दिवस पर चिकन की बिक्री की जा रही थी।

संचालक से वसूला गया जुर्माना-मामले की जानकारी मिलने पर जोन-9 कमिश्नर राकेश शर्मा के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा ने स्वच्छता निरीक्षक भोला तिवारी की मौजूदगी में मौके पर कार्रवाई की। जांच के दौरान दुकान में चिकन विक्रय करते पाए जाने पर संचालक के खिलाफ तत्काल 2,000 का ई-जुर्माना वसूला गया।

फूड सेंटर तुरंत कराया गया बंद-नगर निगम की टीम ने दुकान संचालक को भविष्य में प्रतिबंध आदेश का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। इसके साथ ही प्रतिबंध के आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए गेलेक्सी फूड सेंटर को तत्काल बंद करा दिया गया।

लुतरा शरीफ में 28 सितंबर से सालाना उर्स, 5 दिनों तक सजेगी कव्वाली और तकरीर की महफिल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

शहंशाहे छत्तीसगढ़ हजरत बाबा सैय्यद इंसान अली रअ. इंतजामिया कमेटी दरगाह लुतरा शरीफ के सदर और दीगर ओहदेदारों ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को बताया कि छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में स्थित लुतरा शरीफ में शहंशाहे छत्तीसगढ़ हजरत बाबा सैय्यद इंसान अली शाह का सालाना उर्स इस वर्ष 28 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक मनाया जाएगा। दरगाह कमेटी की ओर से प्रशासन की मदद से उर्स की तैयारियां की जा रही हैं, जिससे यहां पहुंचने वाले जायरीनों को किसी तरह की असुविधा न हो। यह पांच दिवसीय सालाना उर्स 28 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर 2026 को समाप्त होगा। उर्स के दौरान परचम कुशाई (झंडा फहराना), शाही संदल चादर, मजार-ए-पाक का गुस्ल, कुरान ख्वानी, नात व मनकबत और कुल की फातिहा जैसे धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए दरगाह कमेटी द्वारा साफ-सफाई, सुरक्षा, पेयजल और विश्राम की व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। साथ ही, आगंतुकों के लिए सर्वधर्म सद्भाव के तहत शाकाहारी विशेष लंगर का प्रबंध होता है।

दरगाह की मुख्य विशेषताएं-सांप्रदायिक सद्भावः लुतरा शरीफ दरगाह छत्तीसगढ़ के प्रमुख आस्था केंद्रों में से एक है, जहां बिना किसी भेदभाव के हर धर्म और समुदाय के लोग मन्नत मांगने आते हैं। बाबा इंसान अली शाहः यहां हुजूर हजरत बाबा सैय्यद इंसान अली शाह की मजार है, जिन्हें लोग बहुत श्रद्धा से याद करते हैं और उनकी दरगाह पर जियारत व दुआ के लिए देश-विदेश से जायरीन पहुंचते हैं। मान्यता है कि बाबा के दरबार में हर तरह की बलाओं से निजात मिलती है।

खूबसूरत वातावरण: यह दरगाह शांत और प्राकृतिक वातावरण से घिरी हुई है, जो आने वाले श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति प्रदान करती है।

उर्स का विस्तृत दैनिक कार्यक्रम 28 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026-इस पांच दिवसीय उर्स पाक में हर दिन विशेष धार्मिक और रूहानी रस्में अदा की जाती हैं।

28 सितंबर (पहला दिन): परचम कुशाई (झंडा फहराना)-उर्स की शुरुआत दरगाह परिसर में पूरे अकीदत (श्रद्धा) के साथ गाजे-बाजे और दुआओं के बीच मुख्य परचम (झंडा) फहराकर की जाती है।

संदल चादर होगा और रात 10 बजे से ऑल इंडिया नातिया मुशायरा होगा। इसमें मशहूर नातिया शायर अहमद असरार की कोरबा कमेटी करेंगे और हजरत मौलाना रज्जब अली मदारी शरीफ, जनाब हलचल सिवानी साहब, जैमल आबेदीन कानपुर, शाहबाज कमर कलकत्ता, मुबारक हुसैन मुबारक शास्ता कलकत्ता और मोहम्मद इलियास असरार की शिरकत होगी।

29 सितंबर (दूसरा दिन): शाही संदल और तकरीर-दिन में गुस्ल मजार-ए-पाक और शाही संदल होगा। रात 9 बजे बाबा सरकार की शान में अजीमुशान जलसा-ए-तकरीर का आयोजन होगा, जिसमें सैय्यद राशिद मक्की मियां साहब किबला किछौछा शरीफ, अयोध्या, उत्तर प्रदेश की तकरीर होगी।

30 सितंबर (तीसरा दिन): संदल चादर-कव्वाली-संदल चादर (अम्मी जान साहिबा) होगा। रात 10 बजे कव्वाली महफिले समा में मुंबई (महाराष्ट्र) के रेडियो-टीवी सिंगर मुजतबा अजीज नाजा की पेशकश होगी।

1 अक्टूबर (चौथा दिन): महफिले कव्वाली-रात 10 बजे रईस अनीस अंसारी साहब बिजनौरी (उत्तर प्रदेश) कव्वाली पेश करेंगे।

2 अक्टूबर (पांचवां दिन): कुल की फातिहा-11 बजे रईस अनीस साबरी साहब बिजनौरी (उत्तर प्रदेश) की मौजूदगी में रंग की महफिल होगी। सैय्यद महमूद असरफ किबला किछौछा शरीफ (उत्तर प्रदेश) की सदारत में उर्स का समापन होगा।

विशेष नोट: उर्स के सभी दिनों में दोपहर से लेकर देर रात तक दरबारी शाही लंगर (भंडारा) लगातार चलता रहता है।

अंबिकापुर के सड़क की वायरल वीडियो का मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश में बारिश के दौरान निर्माणाधीन सड़कों के कारण नागरिकों को आवागमन में हो रही परेशानियों को गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अंबिकापुर शहर के खरसिया चौक में सड़क की खराब स्थिति के कारण नागरिकों को हो रही परेशानी की वाईरल वीडियो का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सरगुजा कलेक्टर श्री अजीत वसंत से दूरभाष पर चर्चा कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने तत्काल सड़क का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कार्य सुनिश्चित कराने के निर्देश कलेक्टर को दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने खरसिया चौक की सड़क में बड़े गड्ढों को भरने, आवश्यक समतलीकरण तथा जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां यातायात का दबाव अधिक है, वहां पुलिस एवं यातायात विभाग के साथ समन्वय कर सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने जिलों में निर्माणाधीन सड़कों की स्थिति की नियमित निगरानी करें, आवश्यकता के अनुसार स्वयं मौके पर जाकर निरीक्षण करें और संबंधित विभागों एवं निर्माण एजेंसियों से समन्वय कर सड़कों को आवागमन योग्य बनाए रखना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला कलेक्टरों से कहा है कि बारिश के दौरान सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाए। जहां सड़क क्षतिग्रस्त होने, निर्माण कार्य, पुल-पुलिया के आसपास कटाव, जलभराव अथवा अन्य किसी कारण से आवागमन प्रभावित होने या दुर्घटना की आशंका हो, वहां तत्काल सुरक्षात्मक उपाय किए जाएं। आवश्यकता के अनुसार चेतावनी संकेतक, बैरिकेडिंग और सुरक्षित वैकल्पिक यातायात व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मानसून के दौरान किसी भी क्षेत्र में सड़क की खराब स्थिति के कारण नागरिकों को आवागमन में अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। जहां निर्माण कार्य प्रगति पर हैं अथवा बारिश के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं, वहां गड्ढों को भरने, समतलीकरण, जल निकासी सहित सभी आवश्यक अंतरिम सुधार कार्य प्राथमिकता से किए जाएं। स्थायी निर्माण में मौसम संबंधी व्यावहारिक कठिनाइयां होने पर भी सड़क को चलने योग्य बनाए रखने के लिए हर आवश्यक उपाय सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग, नगरीय निकाय अथवा अन्य किसी एजेंसी से संबंधित सड़क हो, जिला प्रशासन संबंधित विभाग के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करे। कलेक्टर अपने जिले में अधिक यातायात दबाव वाली प्रमुख सड़कों और निर्माणाधीन मार्गों को चिन्हांकित कर उनकी स्थिति की नियमित समीक्षा करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु समाप्त होते ही निर्माणाधीन एवं स्वीकृत सड़क कार्यों में तेजी लाई जाए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ब्रजेश शुक्ला द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। संपादक- ब्रजेश शुक्ला, RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com